दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

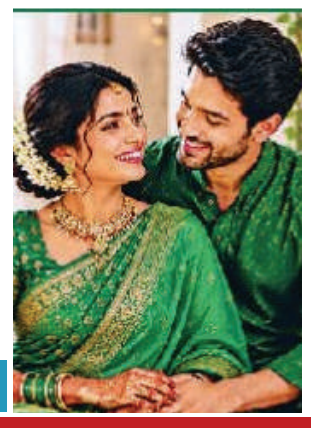

मेकअप करें ऐसे कि.....

वैवाहिक जीवन में बना रहे.....

वर्ष : 12 अंक : 254 लखनऊ, 09 सितम्बर, बुधवार 2026 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए

जयपुर बम धमाका केस में सुप्रीम कोर्ट ने अपनाया सख्त रुख

अदालत ने 2 आतंकियों की रिहाई याचिका को किया खारिज और बताया राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2008 के जयपुर सिलसिलेवार बम धमाका मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे

आतंकवादी मोहम्मद सरवर आजमी उर्फ ढिल्ला पप्पू और शाहबाज अहमद की रिहाई की याचिका खारिज कर दी है। न्यायालय ने दो टूक कहा कि यह अत्यंत गंभीर मामला है, जिसे सामान्य जमानत अर्जी की तरह नहीं देखा जा सकता। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसुरक्षा को खतरे का गंभीर विषय शामिल है। न्यायाधीश एमएम सुंदरेश और न्यायाधीश प्रसन्ना वी वराले की पीठ ने दोनों दोषियों की अपील निरस्त करते हुए यह आदेश दिया।

सिलसिलेवार हुए थे 8 बम धमाके, मारे गए थे 70 निर्दोष

यह मामला 13 मई, 2008 को चांदपोल बाजार में मिले एक जिंदा बम से संबंधित है। उस खौफनाक शाम गुलाबी नगर में 9 अलग-अलग स्थानों पर बम रखे गए थे, जिनमें से 8 में एक के बाद एक धमाके हुए थे। इन विस्फोटों में 70 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी और 186 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।

ये मामला अन्य मामलों से अलग

अदालत में अपीलकर्ताओं के वकील ने तर्क दिया कि इसी आपराधिक साजिश से जुड़े अन्य 8मामलों में राजस्थान उच्च न्यायालय आजमी को पहले ही बरी कर चुका है। याचिकाकर्ता के अनुसार जब 8मामलों में उसे निर्दोष माना जा चुका है, तो नौवें मामले में हिरासत जारी रखना अनुचित है। बचाव पक्ष ने पुलिस कार्रवाई में 12 वर्ष की देरी पर सवाल उठाते हुए कहा कि आरोपी पूर्व में ही 15 वर्ष से अधिक समय जेल में बिता चुका है। इसके जवाब में राज्य सरकार की तरफ से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने बताया कि नौवें बम का मामला साक्ष्यों और बरामद जिंदा बम के कारण अन्य आठ मामलों से भिन्न है। एक दुकानदार ने आजमी की पहचान उस व्यक्ति के रूप में की है, जिसने बम ले जाने के लिए प्रयोग की गई साइकिल बेची थी।राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय के बरी करने के फैसलों के खिलाफ राज्य की अपीलें सर्वोच्च न्यायालय में लंबित हैं, इसलिए उनका लाभ आरोपी को नहीं मिल सकता। विलंब से हुई गिरफ्तारी का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि मामला झूठा है।

विशेष अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी

चांदपोल में सीतारामजी मंदिर के सामने रखे गए इस नौवें बम को बम निरोधक दस्ते के सदस्य सुनील माटिया और उनकी टीम ने सूझबूझ से निष्प्रभावी कर बड़ी तबाही रोक दी थी। यदि वह बम फट जाता तो कम से कम 20 से 25 और बेगुनाह लोगों की जान चली जाती। वर्ष 2025 में विशेष अदालत ने नौवां बम लगाने की साजिश में दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी, जिसे चुनौती देने वाली उच्च न्यायालय की याचिका खारिज होने पर वे सर्वोच्च न्यायालय पहुंचे थे। पीड़ित परिवारों ने सर्वोच्च न्यायालय के रुख को न्याय की दिशा में बड़ा कदम माना है।

असम की सरकारी स्कीम

शिक्षकों की नियुक्ति पर रोक

सुको ने मंगलवार को असम सरकार और उसके शिक्षा विभागों को निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि वे राज्य में सरकारी स्कीम स्कीम के तहत स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षकों की नियुक्ति या उन्हें शामिल न करें। वेंचर शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों और कर्मचारियों को सरकारी सेवा में शामिल करने की कानूनी योजना के तहत, राज्य सरकार तय वेतन और ग्रेच्युटी, पेंशन व छुट्टी के बदले नकद भुगतान की देनदारियों को अपने ऊपर ले लेती है।

खबर संक्षेप

बागेश्वर बाबा के खिलाफ एफआईआर

कोलकाता। कांग्रेस की बंगाल इकाई ने बागेश्वर धाम के प्रमुख

धीरेंद्र शास्त्री के दुर्गा पूजा के दौरान मांसाहारी भोजन छोड़ने की कथित अपील को लेकर उनके खिलाफ भवानीपुर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और आरोप लगाया कि उनकी टिप्पणी से बंगालियों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं तथा इसका उद्देश्य सामाजिक सौहार्द्र

खुलेआम फायरिंग पर पंजाबी सिंगर गिरफ्तार

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना जिले के खन्ना में पंजाबी सिंगर विक्की तालीवान उर्फ बिक्रमजीत

सिंह को हवाई फायरिंग के वीडियो को वॉट्सएप स्टेटस पर लगाने के में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा विक्की ने दोस्त की लाइसेंसी पिस्टल से खेतों में हवाई फायरिंग की। इसका वीडियो बनाकर वॉट्सऐप स्टेटस पर डाल दिया।

अभद्र टिप्पणी पर यूट्यूबर जरीवाला गिरफ्तार

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में कलेक्ट्रेट से एक मस्जिद हटाने को लेकर सीएम

योगी आदित्यनाथ और जिलाधिकारी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में यूट्यूबर हुदा जरीवाला को गिरफ्तार किया है। जरीवाला को सोमवार को सर्किट हाउस पहुंचने के बाद गिरफ्तार किया गया, जहां वे प्रदर्शन को गई थीं।

एक करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, 36अरेस्ट

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में अभियान के दौरान आपराधिक गतिविधियों में कथित

रूप से शामिल 31 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि 1 करोड़ मूल्य के मादक पदार्थ बरामद होने के बाद 36 लोगों को पकड़ा। पुलिस ने मंगलवार को जानकारी दी। पूर्वी सिंहभूम जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया है।

पीएम मोदी ने नवसारी में 35 हजार करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी

गुजरात में शक्ति प्रदर्शन

विपक्ष तो 50 साल में 50,000 शौचालय नहीं बनवा सका, इतना लंबा कॉरिडोर क्या बनाएगा

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

गुजरात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नवसारी में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान मंच पर उनका स्वागत और अभिनंदन किया गया। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों के बीच प्रधानमंत्री ने केंद्र और राज्य सरकार की विकास योजनाओं का जिक्र किया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वडोदरा में 35 हजार करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण किया।

प्रधानमंत्री का नवसारी में अभिनंदन किया गया। उन्होंने लोगों को संबोधित किया और विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी। प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान गुजरात में चल रही विकास परियोजनाओं और सरकार की प्राथमिकताओं को प्रमुखता से रखा गया। इस दौरान विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि उसने 50 साल में 50 हजार शौचालय तक नहीं बनवा सका।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर व्यापार की रीढ़, रफ्तार बढ़ी

पीएम मोदी ने कहा कि आज 2,800 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर का काम सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर अब देश के व्यापार और वाणिज्य की रीढ़ बन रहे हैं। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तेजी से विकास कर रहे भारत के लिए जीवनरेखा है। इसने देश के परिवहन क्षेत्र को पूरी तरह बदल दिया है। पहले मालगाड़ियां यात्री ट्रेनों के साथ उन्हीं पटरियों पर चलती थीं। लेकिन डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ने इस स्थिति को बदल दिया है। आज ईस्टर्न और वेस्टर्न कॉरिडोर पर हर दिन 430 से अधिक मालगाड़ियां चल रही हैं। जो मालगाड़ी पहले 100 किलोमीटर की दूरी तय करने में 6.5 घंटे लेती थी, अब वही दूरी आधे से भी कम समय में तय कर सकती है। ट्रक से जिस सफर में आमतौर पर 30 घंटे लगते हैं, वही दूरी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर 10 से 12 घंटे में पूरी हो जाती है।

2004 में की गई थी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की परिकल्पना

'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा, विकसित भारत के लिए हमें ऐसी कनेक्टिविटी की जरूरत है, जो न केवल सुविधाजनक हो, बल्कि समय के साथ कदम मिलाने के लिए पर्याप्त तेज भी हो। वडोदरा गति शक्ति विश्वविद्यालय का घर है। आज डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की अंतिम कड़ियां भी यहीं से जुड़ गई हैं। 2,800 किलोमीटर से अधिक लंबी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना आज पूरी हो गई है। 21वीं सदी के भारत के लिए वास्तव में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। इसकी परिकल्पना सबसे पहले 2004 में की गई थी।

पौधरोपण के लिए 20 लाख पौधे भी बांटे गए

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के अनुसार, अभियान के तहत पौधरोपण के लिए 20 लाख पौधे भी बांटे गए। पीएम मोदी ने सफाई कर्मचारियों और नागरिकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता के जरिए किया गया स्वागत भी अपने आप में सम्मान का एक तरीका है।

स्वच्छता अभियान की तारीफ की शहर को फिर गंदा न होने दें

प्रधानमंत्री नेवडोदरा में चलाए गए स्वच्छता अभियान की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि शहर के लोगों ने मिलकर जिस तरह सफाई अभियान चलाया, वह जनभागीदारी और सेवाभाव की शानदार मिसाल है। महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा में 'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने वडोदरा के स्वच्छता अभियान के वीडियो देखे। लोगों की भागीदारी देखकर उनका सीना गर्व से चौड़ा हो गया। उन्होंने कहा, वाह... मेरा वडोदरा! पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि यह सफाई सिर्फ उनके आने तक सीमित न रहे। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था लगातार बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए।

वडोदरा और धार के बीच नई मेमू ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम के दौरान प्रतापनगर (वडोदरा) और टांडा रोड (धार) के बीच नई मेमू यात्री ट्रेन सेवा और अन्य ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

फूफा' को शिकायत को नई बात मिल गई

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले 10 साल के दौरान रेलवे में 50 हजार नए आधुनिक कोच जोड़े। इतना ही नहीं हमने मालगाड़ी में 2.50 लाख से ज्यादा वैगन जोड़ा है। हाल ही में जेएनपीटी (मुंबई) से वडोदरा के बीच डबल-स्टैक कंटेनर मालगाड़ी चलाई गई। यानी ट्रेन में एक कंटेनर के ऊपर दूसरा कंटेनर रखा गया था। इस एक यात्रा में मुंबई से वडोदरा तक जितना माल पहुंचाया गया, वह 250 से अधिक ट्रकों के बराबर था। अब आते हैं हमारे 'नाराज फूफा' पर वह शख्स जो तुरंत शिकायत शुरू कर देगा, 'ट्रक ड्राइवरों का क्या होगा? ट्रक कहां जाएंगे? जिन्होंने ट्रक खरीदे हैं, उनका क्या होगा?' खैर, अब 'फूफा' को शिकायत करने के लिए एक नई बात मिल गई है।

मणिपुरी संगीतकार की हत्या का मामला

दिल्ली पुलिस ने सात को किया गिरफ्तार नाबालिग हिरासत में

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

दक्षिण दिल्ली के आश्रम इलाके में मणिपुर मूल के 54 वर्षीय संगीतकार और संगीत शिक्षक चोंगथम विक्रम सिंह की मौत के मामले में दिल्ली पुलिस ने 7

लोगों को गिरफ्तार किया है। एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। देर रात शोर-शराबे को लेकर विवाद के बाद विक्रम सिंह के साथ कथित तौर पर मारपीट हुई थी।घटना किलोकरी गांव की बताई गई है। विक्रम ने उनके घर के सामने डिलीवरी कर्मचारियों और ढाबा कर्मियों द्वारा कथित रूप से किए जा रहे शोर पर

गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस क्या कर रहे: राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी नकहा कि चोंगथम विक्रम सिंह मणिपुर के एक प्रसिद्ध संगीतकार, अपने घर के बाहर कुछ लोगों से शोर कम करने के लिए कहने नीचे गए थे। उन्हें इसके लिए पीट-पीटकर मार डाला गया। एक पिता की अपने ही घर के बाहर, अपने ही देश की राजधानी में हत्या कर दी गई।

राहुल पर भाजपा का पलटवार

राजनीति का समय नहीं: रिजिजू

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विक्रम सिंह की हत्या के मामले का राजनीतिकरण करने के लिए राहुल गांधी की आलोचना की।पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि राहुल को इस मामले में भाजपा को नहीं घसीटना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भी नॉर्थ-ईस्ट के लोगों से जुड़ी कोई घटना होती है, तो दिल्ली पुलिस तुरंत कार्रवाई करती है।रिजिजू ने कहा कि यह राजनीति का समय नहीं है।

पूर्वोत्तर के लोग चीनी जैसे दिखते हैं, कहां थे राहुल?

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने संगीतकार की पीटकर हत्या किए जाने के मामले में राहुल गांधी पर पलटवार किया। भाटिया ने सवाल किया कि जब कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने कहा था कि पूर्वोत्तर के लोग चीनी जैसे दिखते हैं और दक्षिण के लोग अफ्रीकी जैसे दिखते हैं तब कहां थे। कांग्रेस ने इससे खुद को अलग कर लिया था।

टीएमसी सांसद से जुड़े अखबार पर छापा

24 घंटे की तलाशी में 60 करोड़ रुपए की कथित 'गड़बड़' मिली

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने टीएमसी के राज्यसभा सांसद नदीमुल हक और उनसे जुड़े एक उर्दू अखबार के ठिकानों पर 24 घंटे से ज्यादा समय तक तलाशी ली। यह कार्रवाई 7सितंबर की सुबह शुरू हुई और मंगलवार तड़के पूरी हुई। ई जांच के दौरान करीब 60 करोड़ रुपए के लेनदेन में कथित वित्तीय अनियमितताएं सामने आईं। लेनदेन के समर्थन में जरूरी रिकॉर्ड तुरंत नहीं मिल सके। अब एजेंसी इन पैसों के लेनदेन की पूरी कड़ी खंगाल रही है। ईडी कथित अवैध वित्तीय लेनदेन की जांच कर रही है। एजेंसी यह भी देखा जा रहा कहीं कुछ रकम हवाला चैनलों के जरिए तो नहीं भेजी गई। अब यह पता लगाया जा रहा है कि ये वास्तविक कारोबारी लेनदेन थे?

गृह मंत्री शाह ने दी श्रद्धांजलि

डॉ. हजारिका के संगीत ने असमिया संस्कृति को विश्वस्तर तक पहुंचाया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रख्यात गायक और संगीतकार भूपेन हजारिका के संगीत ने असम की समृद्ध और विविध संस्कृति को विश्व स्तर तक पहुंचाया। भूपेन की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए शाह ने कहा कि उनके गीत उस जीवन-मूल्य और विचारधारा को प्रतिबिंबित करते थे, जिसने सदियों से समाज को एकजुट बनाए रखा है। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ब्रह्मपुत्र के कवि और भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा कि भूपेन दा के संगीत ने असमिया संस्कृति की विविधता को वैश्विक पहचान दिलाई और उनके गीत उस जीवन-मूल्य को प्रतिबिंबित करते हैं, जिसने सदियों से समाज को एकजुट बनाए रखा है। राष्ट्र निर्माण के हमारे संकल्प को उनकी अमर विरासत हमेशा प्रेरित करती रहेगी।

मप्र और यूपी के निवासी थे छात्र

दिल्ली पीजी हादसा में दिखी मानवता

परिजनों का फैसला, अर्पित अभिषेक की आंखें दान की

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

देश की राजधानी दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को हुए एक पीजी हादसे में

जान गंवाने वाले दो छात्रों की आंखें दान की गई हैं। मध्यप्रदेश के देवास के अर्पित जाज और उत्तर प्रदेश के सोनभद्र के अभिषेक के परिजनों ने यह फैसला लिया। इस दुखद घड़ी में भी परिवारों ने दूसरों की दुनिया रोशन करने का हौसला दिखाया। आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज में बीकॉम सेकंड ईयर के छात्र अर्पित मध्यप्रदेश के देवास के रहने वाले थे।

छात्रों का गुस्सा बढ़ा, प्रदर्शन कर सुरक्षा की गुहार लगाई

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के दक्षिण परिसर स्थित सत्य निकेतन इलाके में एक जर्जर इमारत गिरने से 7 छात्रों की दुखद मौत की खबर ने अब नया मोड़ ले लिया है। इस हादसे के बाद छात्रों का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा है। आक्रोशित छात्रों ने सड़क जाम कर नगर निगम और प्रशासन के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने इस घटना को नगर निगम अधिकारियों की गंभीर लापरवाही का नतीजा करार दिया। छात्रों का आरोप है कि इलाके में बिना किसी संरचनात्मक सुरक्षा उपायों और बिना निरीक्षण के कई अवैध पेइंग गेस्ट (पीजी) हाउस धड़ल्ले से चल रहे हैं। इससे छात्रों की जान जोखिम में पड़ी हुई है।

वैन ने छीनी 20 वर्षीय युवती की जिंदगी, घर मे मचा कोहराम

मंगलवार को वरदानी हनुमान मंदिर में जुटती है भारी भीड़, फिर भी सुरक्षा और ट्रैफिक इंतजाम नदारद।।

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह तेज रफ्तार पीली स्कूली वैन ने एक 20 वर्षीय युवती की जिंदगी छीन ली। तेलीबाग बाजार स्थित वरदानी हनुमान मंदिर के सामने सड़क पार कर रही युवती को वैन ने इतनी जोरदार टक्कर मारी कि वह उछलकर करीब 20 मीटर दूर मंदिर की चौखट पर जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवती को ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद वैन चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह थाना पीजीआई क्षेत्र तेलीबाग बाजार वरदानी हनुमान मन्दिर के सामने तेरफ्तार पीली वैन ने सड़क पार कर एक युवती को रौदते हुए वैन चालक वाहन सहित फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवती को इलाके के नजदीकी ट्रामा टू पहुंचाया जहां डाक्टरों ने मृतक घोषित कर दिया। मृतका की पहचान तहसीन बानो (20), पुत्री खुर्शीद अहमद, निवासी बृज बिहार कॉलोनी, तेलीबाग, पीजीआई के रूप में हुई है। वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के साथ ही इमरजेंसी स्वास्थ्य सेवा 108 में आशियाना स्थित जीविके में पार्टटाइम काम करती थी। मंगलवार सुबह वह घर से ड्यूटी के लिए निकली थी, लेकिन तेलीबाग बाजार में वरदानी हनुमान मंदिर के सामने सड़क पार करते समय तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गई।

मंदिर के सामने हादसा, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

तेलीबाग बाजार का यह इलाका सामान्य दिनों में भी बेहद व्यस्त रहता है। मंगलवार को वरदानी हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है। मंदिर मुख्य मार्ग पर स्थित है और आसपास घनी आबादी के साथ बाजार भी है। इसके बावजूद हादसे के वक्त पुलिस की प्रभावी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था नजर नहीं आई। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर के सामने मंगलवार को भीड़ बढ़ने के बावजूद वाहनों की रफ्तार नियंत्रित करने और पैदल राहगीरों को सुरक्षित सड़क पार कराने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं रहती। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जब मंगलवार को यहां पहले से ही भारी भीड़ जुटती है तो पुलिस और ट्रैफिक विभाग की ओर से अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम क्यों नहीं किए जाते

आटो वालों का सड़क पर कब्जा, तेज रफ्तार वाहनों से राहगीर बेहाल

तेलीबाग बाजार में मुख्य मार्ग पर ही आटो चालक सवारियां बैठाने और उतारने के लिए जगह-जगह रुकते हैं। इससे सड़क पर यातायात का दबाव और अव्यवस्था और बढ़ जाती है। दूसरी तरफ घनी आबादी और बाजार के बीच से वाहन चालक तेज रफ्तार में वाहन दौड़ाते हैं। पैदल चलने वालों के लिए न पर्याप्त सुरक्षित क्रॉसिंग और न ही वाहनों की गति पर प्रभावी नियंत्रण। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस मार्ग पर मंदिर, बाजार, घनी आबादी और लगातार पैदल आवाजाही है, वहां वाहनों की रफ्तार पर अंकुश लगाने के लिए स्पीड कैमरों की व्यवस्था तक नहीं है। हादसे के बाद फिर वही कार्रवाई और जांच का दौर शुरू हो जाता है, लेकिन हादसे रोकने के लिए स्थायी इंतजाम कब होंगे, यह सवाल जस का तस खड़ा है।

20 मीटर दूर मंदिर की चौखट पर जा गिरी बिटिया, परिजनों में मचा कोहराम

टक्कर की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि युवती उछलकर करीब 20 मीटर दूर मंदिर की चौखट पर जा गिरी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसे उपचार के लिए ट्रामा सेंटर भेजा, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन और रिश्तेदार अपेक्स ट्रामा-2 पहुंच गए। बेटी की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतका के रिश्तेदार एमके खान के मुताबिक तहसीन बानो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी और परिवार की मदद के लिए 108 इमरजेंसी स्वास्थ्य सेवा में पार्टटाइम काम करती थी। मंगलवार सुबह वह ड्यूटी के लिए निकली थी, लेकिन रास्ते में ही तेज रफ्तार वाहन ने उसकी जिंदगी खत्म कर दी। अब सवाल सिर्फ एक हादसे का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का है जहां मंदिर के सामने भीड़, बाजार में जाम, सड़क पर आटो और तेज रफ्तार वाहनों के बावजूद स्पीड नियंत्रण की ठोस व्यवस्था नहीं है। तहसीन की मौत के बाद क्या पुलिस और ट्रैफिक विभाग जागेगा या फिर अगली दुर्घटना का इंतजार किया जाएगा हादसे की घटना सीसीटीवी कैमरे मे हुई कैद।

तालाब की भूमि पर निर्माण का आरोप मस्जिद-मदरसे की जांच की मांग

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के खुजौली गांव में जामा मस्जिद और मदरसे को लेकर विवाद सामने आया ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी आकाश सिंह और इंस्पेक्टर राम बाबू सिंह को प्रार्थना पत्र देकर भूमि निर्माण और लाउडस्पीकर की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की। वही ग्रामीणों का आरोप है कि मस्जिद में तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजने से आसपास रहने वाले बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही उन्होंने लाउडस्पीकर की अनुमति और उससे संबंधित अभिलेखों की जांच कराने की मांग की एसडीएम को दिए प्रार्थना पत्र में ग्रामीणों ने गाटा संख्या 1441 रकबा 0.8220 हेक्टेयर को सरकारी तालाब की भूमि बताते हुए आरोप लगाया कि उसके हिस्से पर मस्जिद और मदरसे का निर्माण कर अतिक्रमण किया गया उन्होंने निर्माण की अनुमति भूमि संबंधी अभिलेख मदरसे के पंजीकरण और परिसर में संचालित गतिविधियों की भी जांच कराने की मांग की हालांकि ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी इसी मामले को लेकर श्री राजपूत करणी सेना उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपू भी कार्यकर्ताओं के साथ मोहनलालगंज कोतवाली पहुंचे उन्होंने पीड़ित परिवार के साथ कथित बदसलूकी का आरोप लगाते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की इस पर इंस्पेक्टर राम बाबू सिंह ने नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच तनाव और विवाद की आशंका को देखते हुए दोनों पक्षों को पाबंद किया पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की किसी भी कोशिश पर सख्त कार्रवाई की जाएगी वहीं ग्रामीणों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

एक महीने से गैस सिलेंडर के लिए एजेंसी के चक्कर काट रहे उपभोक्ता

डीएससी कोड लिया, मोबाइल पर डिलीवरी का मैसेज भी आया, फिर भी नहीं मिला सिलेंडर

गैस एजेंसी के चक्कर काट रहे उपभोक्ता, सिलेंडर के लिए लग रही लंबी दौड़

अमन लेखनी समाचार

एजेंसी पर मौजूद उपभोक्ता

लखनऊ। लखनऊ-उन्नाव बॉर्डर पर स्थित मौर्या इंडियन गैस एजेंसी पर घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत से सैकड़ों उपभोक्ता परेशान हैं। आरोप है कि बीते करीब एक महीने से उपभोक्ता सिलेंडर के लिए एजेंसी के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें हर बार जल्द गैस मिलने का आश्वासन देकर वापस लौटा दिया जाता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि बुकिंग के बाद एजेंसी कर्मचारियों द्वारा मोबाइल पर डीएससी कोड ले लिया जाता है, इसके बावजूद उन्हें सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। उपभोक्ता रवि ने बताया कि वह कई दिनों से गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के चक्कर काट रहे हैं। कर्मचारियों से पूछने पर कभी आज तो कभी कल गैस आने की बात कही जाती है, लेकिन कई दिन बीतने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल सका। रहीमाबाद निवासी अरविंद चौरसिया ने बताया कि करीब छह वर्ष पहले उज्ज्वला योजना के तहत उनका गैस कनेक्शन हुआ था। उनका आरोप है कि अब तक एजेंसी के माध्यम से उन्हें सिलेंडर और चूल्हा उपलब्ध नहीं कराया गया। इसके बावजूद एजेंसी की ओर से हर महीने फोन कर गैस बुक करने और गैस नहीं उठाने के संबंध में जानकारी ली जाती है। अरविंद का कहना है कि उन्हें अभी तक गैस की कॉपी भी नहीं मिली है।

कुशलखेड़ा निवासी दिलीप ने बताया कि उन्होंने 12 अगस्त को गैस की बुकिंग कराई थी। अगले दिन एजेंसी कर्मचारियों ने फोन कर डीएससी नंबर ले लिया। इसके बाद वह एजेंसी पहुंचे, लेकिन सिलेंडर नहीं दिया गया। 31 अगस्त को दोबारा पहुंचने पर केवल एक पर्ची बनाकर दी गई और एक-दो दिन बाद सिलेंडर लेने के लिए बुलाया गया। दोबारा एजेंसी पहुंचने पर भी उन्हें टालमटोल कर वापस कर दिया गया। एजेंसी के नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया तो मोबाइल स्विच ऑफ मिला।

चंदीखेड़ा निवासी पवन कुमार ने बताया कि वह कई बार सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी जा चुके हैं, लेकिन हर बार किसी न किसी कारण से उन्हें वापस कर दिया जाता है। वहीं देशराज का कहना है कि वह करीब 15 दिनों से गैस सिलेंडर के लिए एजेंसी के चक्कर लगा रहे हैं। कर्मचारियों द्वारा डीएससी संख्या ले ली जाती है, लेकिन सिलेंडर नहीं दिया जाता।

महादेव ने बताया कि उनकी पत्नी शांति के नाम गैस कनेक्शन है। फरवरी से अब तक करीब सात महीने बीत जाने के बावजूद उन्हें सिलेंडर नहीं मिला है। उनका कहना है कि गैस के लिए लगातार एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

डीएससी कोड लेने के बाद मोबाइल पर पहुंच जाता है डिलीवरी का संदेश

दर्जनों उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि एजेंसी की ओर से फोन पर डीएससी कोड ले लिया जाता है। इसके बाद उनके मोबाइल पर गैस डिलीवर होने का संदेश भी पहुंच जाता है, जबकि उन्हें वास्तविक रूप से सिलेंडर नहीं मिलता। एजेंसी पहुंचने पर कई उपभोक्ताओं को सादे कागज पर पर्ची लिखकर दे दी जाती है और बाद में सिलेंडर देने की बात कही जाती है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि इस प्रक्रिया के चलते उन्हें कई दिनों तक एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

ब्लैक में सिलेंडर बेचने का भी आरोप

नाम न छापने की शर्त पर उपभोक्ताओं ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडरों को महंगे दामों पर वैन चालकों और होटल संचालकों को ब्लैक में बेचा जा रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि गैस की वास्तव में कमी है तो बुकिंग करने वाले उपभोक्ताओं को प्राथमिकता के आधार पर समय से सिलेंडर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। लगातार गैस सिलेंडर नहीं मिलने और कथित टालमटोल से उपभोक्ताओं में नाराजगी है। उपभोक्ताओं ने संबंधित अधिकारियों से मामले की जांच कराने, बुकिंग के बाद डिलीवरी व्यवस्था की जांच करने और पात्र उपभोक्ताओं को समय से घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग की है।

कौशल विकास प्रशिक्षण का समापन, प्रशिक्षार्थियों को दी विदाई

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। जननायक सुजीत पाण्डेय मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से संचालित चार माह के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हो गया इस अवसर पर आयोजित विदाई समारोह में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले परीक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में केक काटकर प्रशिक्षण की सफलता का जश्न मनाया गया और सभी प्रशिक्षार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। ट्रस्ट के प्रबंधक डॉ. अजय पाण्डेय ने कहा कि संस्था का उद्देश्य महिलाओं एवं युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना ट्रस्ट द्वारा ब्यूटी पार्लर सिलाई सहित विभिन्न कौशल आधारित प्रशिक्षण नियमित रूप से संचालित किए जा रहे ताकि प्रशिक्षार्थी स्वरोजगार शुरू कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। प्रशिक्षण प्रभारी एवं राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अवधेश कुमार ने कहा कि आज के समय में कौशल विकास आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव चार माह के प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने पूरी लगन और अनुशासन के साथ विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया उन्होंने कहा कि संस्था का प्रयास है कि प्रशिक्षण के बाद प्रत्येक प्रशिक्षार्थी अपने हुनर के बल पर रोजगार अथवा स्वरोजगार से जुड़कर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करे। समारोह में प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य सफलता और आत्मनिर्भर जीवन की शुभकामनाएं दी गई कार्यक्रम में प्रशिक्षक, सहयोगी तथा ट्रस्ट से जुड़े अन्य लोग भी मौजूद रहे।

सड़क हादसे में महिला की मौत

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। लखनऊ-रायबरेली हाईवे पर सोमवार शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से 55 वर्षीय महिला की मौत हो गई गंभीर रूप से घायल महिला को पहले निजी अस्पताल ले जाया गया जहां से चिकित्सकों ने सीएचसी मोहनलालगंज रेफर कर दिया लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्होंने दम तोड़ दिया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक मृतका की पहचान नाजिया खातून (55) पत्नी मुन्ना निवासी ग्राम जियामऊ थाना तालगांव जनपद सीतापुर के रूप में हुई परिजनों ने बताया कि सोमवार शाम करीब सात बजे वह लखनऊ-रायबरेली हाईवे पर पूर्व विधायक अंबरीश पुष्कर के आवास के सामने से गुजर रही थीं इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ीं राहगीरों की सूचना पर पहुंचे परिजन उन्हें इलाज के लिए चरक अस्पताल ले गए वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते हुए सीएचसी मोहनलालगंज रेफर कर दिया परिजन उन्हें लेकर सीएचसी जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए केजीएमयू भेज दिया इंस्पेक्टर ने बताया कि हादसे को अंजाम देने वाले अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मऊ रेलवे क्रासिंग पर रोज जाम का संकट ओवरब्रिज का इंतजार कब होगा खत्म?

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मऊ रेलवे क्रासिंग मंगलवार को करीब आधे घंटे तक बंद रहने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं जाम में फंसे लोगों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा फाटक खुलने के बाद भी वाहनों का दबाव बना रहा और यातायात सामान्य होने में काफी समय लग गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि मऊ रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज का निर्माण न होने से यह समस्या रोज की बन गई ट्रेनों के गुजरने के दौरान फाटक बंद होते ही सड़क पर वाहनों की लंबी लाइन लग जाती इसका सबसे ज्यादा असर स्कूल जाने वाले बच्चों, मरीजों, नौकरीपेशा लोगों और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों पर पड़ता। वही राहगीरों व स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि तहसील परिसर के बाहर सड़क किनारे होने वाली अव्यवस्थित पार्किंग भी जाम की बड़ी वजह रजिस्ट्री कराने आने वाले लोग सड़क के दोनों ओर वाहन खड़े कर देते जिससे पहले से संकरी सड़क पर आवागमन प्रभावित रहता रेलवे फाटक बंद होने पर यही स्थिति गंभीर जाम में बदल जाती स्थानीय नागरिकों ने सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर प्रभावी कार्रवाई करने यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और मऊ रेलवे क्रासिंग पर जल्द ओवरब्रिज निर्माण शुरू कराने की मांग की उनका कहना कि चुनाव के समय ओवरब्रिज का आश्वासन दिया जाता लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद यह मुद्दा ठंडे बस्ते में चला जाता रोजाना लगने वाले जाम से क्षेत्र के हजारों लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही।

बाइक चोर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के मुताबिक बीती 18 मार्च को कृष्णा नगर के जाफर खेड़ा निवासी रमेश कुमार ने बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह 12 मार्च की देरशाम करीब 8 बजे बिजनौर निवासी अपने रिश्तेदार तिलक चंद की बेटी की शादी में शामिल होने यहां सरवन नगर स्थित मैदान पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। जब वहाँ से खाना खाने के बाद बाहर निकले तो उनके भाई विजय बहादुर की बाइक (यूपी 32 जेएक्स 2880) गायब मिली। पुलिस का कहना है की रिपोर्ट दर्ज कर घटना के खुलासे और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीमें गठित की गई थीं। तभी टीमों ने सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों के अलावा मुखबिर की मदद से मंगलवार सुबह आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए युवक ने अपना नाम बिजनौर थाना क्षेत्र के परवर पश्चिम गाँव निवासी अभिषेक यादव (22) पुत्र प्रमोद यादव बताया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नशे का आदी है और नशे व अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए भीड़भाड़ वाले स्थानों से वाहन चोरी करता था। बाद में चोरी के वाहनों को बेचकर मिले पैसों से नशे की जरूरत पूरी करता था। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ आशियाना, बंथरा, पारा और पीजीआई थानों में चोरी, लूट व वाहन बरामदगी सहित पांच मामले पहले से दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस ने बरामद बाइक कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया है।

डीसीपी दक्षिणी ने नादरगंज और बदाली खेड़ा पुलिस चौकियों का किया औचक निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक ने मंगलवार को सरोजनीनगर थाने की नादरगंज और बदाली खेड़ा पुलिस चौकियों का औचक निरीक्षण किया। डीसीपी दोपहर करीब 2:20 बजे नादरगंज चौकी पहुंचे। यहां उन्होंने चौकी कार्यालय, अभिलेखों, आगंतुक रजिस्टर और परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इसके साथ ही अभिलेखों के रख-रखाव और लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसदौरान डीसीपी ने क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिसकर्मियों को लगातार भ्रमणशील रहने के निर्देश दिए। उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग करने तथा क्षेत्र में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार लाने पर विशेष जोर दिया इसके अलावा आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए चौकी में जन शिकायत रजिस्टर रखने और जनसुनवाई को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए। इसके बाद डीसीपी करीब 2:40 बजे बदाली खेड़ा चौकी पहुंचे। यहां भी उन्होंने कार्यालय, अभिलेख, आगंतुक रजिस्टर और साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस बल को आमजन के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने, महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने तथा कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों को लगातार सक्रिय रहनेके निर्देश दिए।

बेटे के चाकू के वार से जंग हार गए पिता

25 दिन बाद पिता की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के उत्तरगांव में बेटे के चाकू से हुए जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल पिता ने 25 दिन बाद इलाज के दौरान दम तोड़ दिया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट होंगे जिसके आधार पर मुकदमे में आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार 14 अगस्त को उत्तरगांव निवासी बाबूलाल पर उनके बेटे शिव कुमार उर्फ गुड्डू ने घरेलू विवाद में चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था घटना के बाद मोहनलालगंज थाने में बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया घायल बाबूलाल को अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उपचार के बाद 15 अगस्त को छुट्टी दे दी गई थी 24 अगस्त को अचानक उनकी तबीयत फिर बिगड़ गई परिजन उन्हें विद्या अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उनका इलाज चल रहा था मंगलवार को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि घटना के अगले दिन 15 अगस्त को आरोपी शिव कुमार उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया गया था। 16 अगस्त को उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया था अब बाबूलाल की मौत के बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में आवश्यक धाराएं बढ़ाते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

योग गुरु डॉ. नवीन का हुआ भव्य सम्मान

डाक्ट्रेट की उपाधि से नवाजा गया

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज स्थित सहकारिता भवन में योग और नेचुरोपैथी के राष्ट्रीय सेमिनार मे योग और स्वास्थ्य के क्षेत्र मे अपनी अलग पहचान बनाने वाले ऊजार्वान, प्रेरणादायी और समर्पित व्यक्तित्व डा. नवीन योगी को उनके उल्लेखनीय कार्यों और सामाजिक योगदान के लिए वर्ल्ड वेलनेस काऊंसिल द्वारा प्रमाणित विश्व आरोग्य संवर्धन संस्थान तथा ऋषिकुल योगपीठ के द्वारा राष्ट्रीय सेमिनार कार्यक्रम मे डाक्ट्रेट की उपाधि से नवाजा गया इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व सदस्य विधान परिषद अरविंद कुमार त्रिपाठी ₹गुड्डू भईया ₹ उपस्थित रहे। देश विदेश मे ख्याति प्राप्त डा. नवीन योगी एक समाजसेवी होने के साथ-साथ कुशल योग शिक्षक भी है। इसके साथ ही वह लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल मे नर्सिंग ऑफिसर के रूप मे सेवाएं दे रहे है। डा नवीन योगी का जीवन उपलब्धियों से भरा हुआ रहा है ।योग और फिटनेस के क्षेत्र मे कई बार राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मानित भी किया जा चुका है ह्न डा नवीन योगी ने आम जनमानस को स्वास्थ्य संदेश देते हुए बताया की प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दैनिक दिनचर्या मे प्रतिदिन योग जरूर शामिल करना चाहिए ।योग हमारे शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ाता है और दिन भर कार्य करने की ऊर्जा देता है। ऋषिकुल योग पीठ के संस्थापक डॉक्टर देवनाथ शुक्ला ने डॉ नवीन योगी के द्वारा किए हुए कार्यों की प्रशंसा की और मंच पर सम्मानित किया।

संक्षेप

विद्युत करंट की चपेट में आकर महिला गंभीर रूप से झुलसी

बांगरमऊ, उन्नाव। थाना बेहटा मुजावर क्षेत्र के ग्राम अवस्थी खेड़ा निवासी अवधेश की पत्नी जानकी 40 वर्ष मंगलवार शाम घर में विद्युत बोर्ड में प्लग लगा रही थी। तभी तार खुला होने से वह विद्युत करंट की चपेट में आकर गंभीर झुलस गई। महिला की चीख सुनकर परिजन दौड़े और किसी तरह जानकी को छुड़ाया। उसकी हालत गंभीर देख परिजन इलाज के लिए यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाये। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद नाजुक हालत देख हायर सेंटर रेफर कर दिया। बताया जाता है कि परिजन उसे इलाज के लिए लखनऊ लेकर चले गए हैं। जहां महिला की हालत नाजुक बनी हुई है।

चार लाख के लेनदेन में धोखाधड़ी व जान से मारने की धमकी, रिश्तेदार पर मुकदमा दर्ज

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार के ग्राम मुनऊखेड़ा निवासी उपेन्द्र सिंह पुत्र हरिबक्श सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके रिश्तेदार ब्रम्हदेव निवासी बजौरा ने अपने निजी कार्य के लिए उनसे 4 लाख रुपये उधार लिए थे। उपेन्द्र सिंह के मुताबिक 25 मई 2026 को गवाहों जयबहादुर और सन्त बक्स सिंह के सामने ?2 लाख नकद दिए गए। जबकि 1 जून 2026 को ब्रम्हदेव के कहने पर 25,000 उसके खाते में और 1,75,000 दीपक रावत के खाते में ट्रांसफर किए गए।काफी कहने के बाद आरोपी ब्रम्हदेव ने केवल ?25,000 ही वापस लौटाए।जब बाकी बचे पैसों की मांग की गई तो आरोपी ने पैसे हड़पने की नीयत से गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

खेत से किसान की बाइक चोरी, सीसीटीवी में भागते दिखे दो चोर

बीघापुर, उन्नाव। थाना क्षेत्र के पंचमखेड़ा पाली निवासी अशोक कुमार साहू पुत्र स्वर्गीय गंगासागर साहू अपने खेत पर बाइक से गया था जहां पर वह बाइक खड़ी कर खेत में खड़ी फसल में खाद डालने लगा उसी बीच चोरों ने उसकी बाइक पार कर दी पीड़ित ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मेरी काले रंग की हीरो स्प्लेंडर प्लस (यूपी 35 बीई 6450) से खेत में खाद डालने गए थे। बाइक खेत के पास खड़ी कर दी और काम में लग गए। थोड़ी देर बाद बाइक स्टार्ट होने की आवाज सुनकर पीछे मुड़कर देखा, तो दो अज्ञात लोग बाइक लेकर भाग रहे थे। शोर मचाने के बावजूद चोर तेजी से निकल गए। चोरों के साथ एक अन्य व्यक्ति भी था, जो पैशन मोटरसाइकिल पर सवार था। चोरी हुई मोटरसाइकिल उनके बेटे अनुज कुमार साहू के नाम पर पंजीकृत है, जो वर्तमान में सऊदी अरब में कार्यरत हैं पुलिस ने आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज में देखा तो चोरों की आखिरी लोकेशन बीघापुर नगर पंचायत क्षेत्र में दिखी, जिसमें वे गाड़ी लेकर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी।

स्वाइन फ्लू की चपेट में आने से दो मौतों से गांव में दहशत का माहौल, स्वास्थ्य विभाग हुआ सक्रिय

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के ग्राम अवैक में स्वाइन फ्लू की चपेट में आने से देवर-भाभी की मौत का मामला सामने आया है। लगातार दो मौतों से गांव में दहशत का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया और टीम ने गांव पहुंचकर मृतकों के संपर्क में रहे 16 लोगों के सैंपल लिए। सभी सैंपल आरटी-पीसीआर जांच के लिए मेडिकल कॉलेज लखनऊ भेजे गए हैं।

अवैक निवासी विजय शंकर द्विवेदी घर पर डेयरी फार्म चलाते थे। बताया गया कि 47 वर्षीय विजय शंकर पुत्र सोनेलाल तथा उनकी भाभी 55 वर्षीय उषा देवी पत्नी शिव शंकर लाल द्विवेदी को बीते दिनों बुखार आया था। इसके साथ ही दोनों को सांस लेने में भी परेशानी होने लगी। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने दोनों को उपचार के लिए लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच कराई। जिसमें दोनों के स्वाइन फ्लू से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। एक ही परिवार में देवर-भाभी की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं, गांव में भी संक्रमण को लेकर लोगों में भय व्याप्त हो गया।

दो मौतों की जानकारी मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम अवैक पहुंची और मृतकों के संपर्क में आए लोगों की जानकारी जुटाई। टीम ने 16 लोगों के ब्लड सैंपल लिए और जांच के लिए मेडिकल कॉलेज लखनऊ भेज दिए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों को सावधानी बरतने तथा लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए कहा गया है।

सीएमओ अजय कुमार ने बताया कि पोर्टल पर स्वाइन फ्लू के सात पॉजिटिव मामले दर्ज हैं। इनमें दो मृतकों को छोड़कर अन्य सभी संक्रमित सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में स्वाइन फ्लू की जांच की सुविधा उपलब्ध है। आवश्यकता पड़ने पर केजीएमयू लखनऊ की विशेषज्ञ टीम से भी सहयोग लिया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

महिला को झांसे में लेकर टप्पेबाजों ने नगदी समेत पार कर दिया लाखो के जेवरात

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह पैदल जा रही अधेड महिला को बाइक सवार दो युवकों ने बातों में उलझा लिया और बीस हजार रुपये की नगदी सहित दो लाख रुपये कीमत के सोने चांदी के आभूषण और मोबाइल फोन प्लास्टिक की थैली में रखवा कर मौके से भाग निकले थोड़ी देर बाद महिला को टप्पेबाजी का आभाष हुआ तो शोर मचाया तब तक दोनों काफी आगे निकल गए थे घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर पीडित महिला से घटना की जानकारी ली और आसपास के सीसीटीवी कैमरे में टप्पेबाजों की पहचान का प्रयास कर रही है। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र उमराय खेडा गांव निवासी राम बिलास विमल काफी समय से माखी थाना क्षेत्र के कस्बा चकलवंशी में मकान बना कर रह रहा है और गांव में मकान के साथ खेतीबाड़ी है जिसकी देखभाल के लिए अक्सर पुश्तैनी गांव आना जाना बना रहता है मंगलवार की सुबह राम बिलास की पत्नी गुडिया 57 खेतों की जुताई का ट्रैक्टर का भाड़ा और अन्य सामग्री का हिसाब करने के लिए बीस हजार रुपये की नगदी बैग में रख कर चकलवंशी चौराहे से पावा चौराहे तक आटो से गयी और वहां से पैदल गांव जा रही थी पावा गांव से पांच सौ मीटर आगे पहुंची थी तभी काली पल्सर बाइक दो युवक पीछे से पहुंचे और एक युवक थोड़ा पहले बाइक से उतर कर पैदल चलते हुए महिला के बराबर पहुंच कर अपने को बीमार बताते हुए डाक्टर का पता पूछते हुए बातों में उलझा लिया और तीनों सडक किनारे बैठ गए इसी बीच महिला के बैग में रखी बीस हजार रुपये की नगदी कान के टप्स गले की चैन पांव की पायल और मोबाइल फोन प्लास्टिक की थैली में रखवा लिया और पावा से रुकना पुर की ओर भाग निकले थोडी देर बाद महिला को ठगी का एहसास हुआ तो शोर मचाया तब तक दोनों बाइक से निकल गए महिला घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी जिस पर पुलिस को सूचना दी जिस पर थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह पावा चौकी प्रभारी दिनेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और महिला से घटना की जानकारी ली और घटना स्थल का मौका मुआयना किया जहां मवेशी चरा रहे ग्रामीणों ने बताया कि महिला और दोनों युवक काफी देर तक सडक किनारे बैठ कर बाते कर रहे थे जिससे कोई शक नहीं हुआ और बाइक आगे बबलू के पास खडी हुई थी इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि महिला के साथ टप्पेबाजी की घटना हुई है आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे से टप्पेबाजों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

बढ़ता जा रहा गंगा नदी का जलस्तर आबादी में घुसा

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। गंगा नदी का बढ़ता जलस्तर अब धीरे धीरे आबादी क्षेत्र की तरफ बढ़ने लगा है जिससे आगामी समय बाढ़ के हालात ज्यादा गंभीर होने की प्रबल आशंका बनी हुई है। बांगरमऊ के गांव नया पुरवा,मल्लहन पुरवा,भिखार पुरवा, हरीगंज,धन्ना पुरवा ,कुशाल पुरवा इन छह गांवों का पिछले कई दिनों से तहसील मुख्यालय से जमीनी संपर्क कटा हुआ है ।इसके अलावा गहर पुरवा, गढ़वा,भगवंत पुरवा,भिखारी पुरवा, रतई पुरवा, कुंशी, गुलरिहा ,मितान पुरवा,खैरुद्दीन पुर,सेतुवाही, अलौलापुर आदि गांव बाढ़ की चपेट में आ चुके है जबकि अब बढ़ता जलस्तर गांव भुड्डा के निकट सड़क मार्ग पर बनी एक पुलिया से होते हुए गंगा की प्रमुख धारा से करीब छह किलोमीटर दूर के गांव मेला आलम शाह,मेला राम कुंवर,पृथ्वी पुरवा,दारापुर आदि गांवों के निकट निचले भाग में भरने लगा है यदि जलस्तर में वृद्धि जारी रही तो आगामी कुछ दिनों बाद तहसील क्षेत्र का एक बड़ा भूभाग बाढ़ की चपेट में आ जाएगा इस दसा में तहसील प्रशाशन को राहत बचाव कार्य में खासी मुसीबत झेलनी पड़ेगी।

इसके अलावा कल्याणी नदी के बढ़ते जलस्तर ने भी मुसीबत बढ़ानी शुरू कर दी है बांगरमऊ के दर्जनों गांवों के निकट कल्याणी नदी के बढ़ते जलस्तर से सैकड़ों बीघा खेती जलमग्न हो चुकी है।

गुरुजन सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील बीघापुर क्षेत्र के अलावलपुर गाँव निवासी शाश्वत प्रताप सिंह के लेफ्टिनेंट की ट्रेनिंग पूरी कर गांव पहुंचने पर गुरुजन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का संचालन महेश सिंह द्वारा किया गया।

कार्यक्रम आयोजक अमरेन्द्र प्रताप सिंह एवं मुन्ना सिंह मण्डफहा ने शाश्वत को शिक्षा देने वाले गुरुजनों को अंग वस्त्र , प्रतीक चिन्ह माल्यार्पण कर सम्मानित किया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक आशुतोष शुक्ला ने कहा कि प्रतिभा किसी संसाधन की मोहताज नही होती । ग्रामीण क्षेत्र से निकल कर शाश्वत ने पूरे देश में नाम रोशन किया है ।युवाओं को ऐसे युवक से प्रेरणा लेनी चाहिए। जिसने बिना किसी कोचिंग के देश की प्रतिष्ठित परीक्षा पास कर लेफ्टिनेंट बने है । उन्होंने गाँव मे साढ़े तीन सौ मीटर की सड़क लेफ्टिनेंट शाश्वत प्रताप सिंह के नाम से बनवाने की घोषणा की।

इस मौके पर यू एस इंटर नेशनल स्कूल भगवंतनगर एवं गौरा महाविद्यालय ,सुमेरपुर इंटर कॉलेज सहित अन्य विद्यालयों के शिक्षकों को सम्मानित किया गया । रायबरेली के सुप्रशिड कत्थक कार अयोध्या प्रसाद द्वारा सुंदर संगीतमय कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर पूर्व अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री अवधेश कटियार ,पूर्व जिलाध्यक्ष आनन्द अवस्थी ,योगेश बाजपेई , मुन्ना सिंह मण्डफहा ,बैजनाथ सिंह , विनोद सिंह ,पुष्प फाउंडेशन से के के सिंह मामा प्रदीप सिंह, प्रिंसू सिंह , गोवर्धन सिंह , राज बख्श सिंह , दीपक सिंह , प्रत्युश सिंह , सतेन्द्र सिंह बब्लू, अशोक सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे ।

ब्लॉक परिसर में बने आवासों की हालत जर्जर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मियागंज विकास खंड मुख्यालय मौजूदा समय में बदहाल स्थित में है ब्लाक परिसर में बने सचिवों के आवासों की हालत जर्जर अवस्था में है छतों का प्लास्टर उखड रहा सरिया बाहर निकल रहीं हैं दीवारें दरक रहीं हैं गंदगी का ढेर लगा हुआ है शौचालय और पेयजल की व्यवस्था धडाम हो गयी है खंड विकास अधिकारी आवास की चाहरदीवारी टूट गयी है फिर भी बिकास की ओर अग्रसर है ।मियागंज विकास खंड मुख्यालय की हालत का आलम यह है कि परिसर में जगह जगह कूडे के ढेर लगे हुए हैं महिलाओं के लिए बना पिंक शौचालय प्रयोग के लायक नहीं है और उसमे ताला लगा रहता है हलांकि पेयजल के लिए दो इंडिया मार्का हैंडपंप लगे हुए हैं लेकिन उसका पानी पीने योग्य नही है फ्लोराइड की मात्रा अधिक होने से लोग इसका पानी प्रयोग नहीं करते पानी की समस्या को देखते हुए क्षेत्र पंचायत निधि से वाटर कूलर 20/21 में सात लाख रुपये की लागत से बनाया गया था लेकिन वह भी सालों से काबाड बना हुआ है जिससे मुख्यालय पर आने वाले ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना पडता है मुख्यालय गेट के पास ही कूडे का ढेर लगा दिया गया है खंड विकास अधिकारी आवास की चाहरदीवारी टूट गयी थी तब से उसी स्थित में पडी हुई है कुछ यही हाल सचिवों के आवासों की हालत है जहां छत का प्लास्टर उखड रहा है और सरिया बाहर निकल आयी है जिससे कभी भी कोई हादसा हो सकता है आवास जर्जर अवस्था में है जिससे सचिवों को हर समय भय बना रहता है कि बारिश का मौसम और पता नहीं कब छत बैठ जाय फिर भी इस ओर ध्यान नही दिया जा रहा है आखिर बिकास का दंभ भरने वाला बिकास खंड मुख्यालय खुद बदहाली की अवस्था में पहुंच गया है इस सम्बंध में जब खंड विकास अधिकारी श्री प्रकाश पाण्डेय से बात करने का प्रयास किया गया तो फोन रिसीव नहीं हुआ।

मुंह में कारतूस दबाकर फायरिंग का वीडियो वायरल ग्रामीणों में फैली दहशत

अमन लेखनी समाचार

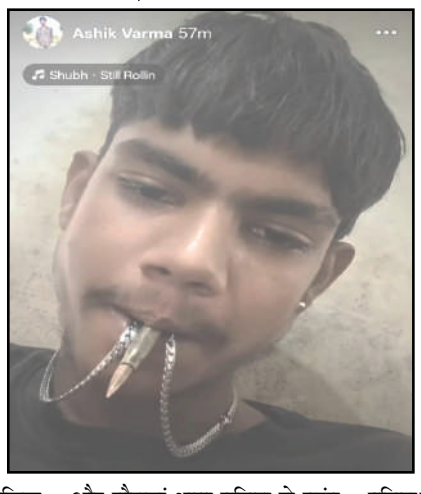

उन्नाव। मौरावां थाना क्षेत्र के भाटनखेड़ा गांव से एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने खुलेआम दबंगई दिखाते हुए मुंह में कारतूस दबाकर फायरिंग की है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस घटना से गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

वीडियो में युवक मुंह में कारतूस दबाए और फायरिंग करते हुए दिख रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे असामाजिक तत्वों की हरकतों से आम लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। इससे इलाके का शांतिपूर्ण माहौल बिगड़ रहा है और कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। गांव के लोगों ने जिला प्रशासन और मौरावां थाना पुलिस से तुरंत कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो की जांच कर आरोपी युवक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। इससे अपराधियों के हौसले पस्त होंगे और इलाके में कानून का डर बना रहेगा।

इससे पहले भी अवैध हथियार लहराने के कई मामले सामने आ चुके हैं। लेकिन मौरावां थाना पुलिस ने इन्हें गंभीरता से नहीं लिया। इसका नतीजा यह है कि थाना क्षेत्र अवैध हथियारों का गढ़ बनता जा रहा है। करीब एक महीने पहले द्वारिकानाथ खेड़ा और बाजखेड़ा गांवों में भी युवकों ने अवैध हथियारों के साथ सोशल मीडिया पर फोटो अपलोड किए थे। तब भी पुलिस ने सिर्फ खानापूर्ति की थी।

इस मामले पर क्षेत्राधिकारी अरविंद चौरसिया ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि टीम भेजकर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

दो बाइकों की भीषण टक्कर में दो युवकों की मौत, दो घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मौरावां थाना क्षेत्र के हड़हा-कालूखेड़ा मार्ग पर रविवार शाम दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों बाइकों पर सवार चार युवक उछलकर सड़क पर गिर पड़े और लहूलुहान हो गए। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और चारों घायलों को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालूखेड़ा ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चारों की हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें एसजीपीजीआई लखनऊ रेफर कर दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान दो युवकों की सांसें थम गईं। मृतकों की पहचान लखनऊ निवासी निहाल और मौरावां के बाल्मुकुंद गांव निवासी प्रेम के रूप में हुई है। वहीं दूसरी बाइक पर सवार हरिओम और दिनेश का पीजीआई में उपचार चल रहा है, उनकी भी हालत नाजुक बनी हुई है। दो युवकों की मौत की खबर मिलते ही उनके घरों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मार्ग बदहाल, जगह-जगह बने गहरे गड्ढे, दैनिक यात्रियों और वाहन चालकों की बढ़ी मुश्किलें

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्र की जीवन रेखा कहे जाने वाला बांगरमऊ-उन्नाव मार्ग इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। मानसून की बारिश और भारी वाहनों के लगातार आवागमन के कारण यह महत्वपूर्ण सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है, जिससे यह पूरी तरह जर्जर हो गई है। सड़क पर बने बड़े-बड़े और गहरे गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से यह तालाब जैसी शक्ल ले चुके हैं, जिसके चलते इस मार्ग पर सफर करना आम जनता और विशेषकर दैनिक यात्रियों के लिए किसी खतरे से खाली नहीं रह गया है। इस मार्ग पर हर रोज हजारों की संख्या में छोटे-बड़े वाहन, स्कूली बसें, एम्बुलेंस और दोपहिया वाहन गुजरते हैं। सड़क की खस्ता हालत के कारण आए दिन वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। विशेषकर रात के समय जब गड्ढे पानी से भर जाने के कारण दिखाई नहीं देते, तब चालकों, खासकर बाइक सवारों और साइकिल चालकों का गिरना आम बात हो गई है। कई बार तो ओवरलोड भारी वाहनों के इन गड्ढों में फंस जाने के कारण घंटों लंबा जाम लग जाता है, जिससे राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्नाव और बांगरमऊ के बीच रोजाना नौकरी, व्यापार और पढ़ाई के सिलसिले में सफर करने वाले दैनिक यात्रियों का कहना है कि इस सड़क की मरम्मत न होने के चलते इस पर निकलना दूभर हो गया है। क्षेत्र की जनता, वाहन चालकों और स्थानीय संभ्रांत नागरिकों ने जिला प्रशासन तथा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इस मार्ग की शीघ्र अति शीघ्र मरम्मत कराई जाए।

श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कस्बे के पश्चिमी छोर स्थित मोहल्ला चलाकन टोला में चल रही सप्तदिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस की बेला पर कथा व्यास ने श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का बखान कर नटखट कन्हैया के बालहट, कालिया मर्दन आदि के दृष्टांतों को श्रोता समाज का अवगाहन कराया ।भक्त जनों ने विविध कथाओं के आत्मसात कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आरती और पुष्पांजलि के साथ रात तकरीबन 10 बजे कथा का विराम हुआ। कथा में आज पुरुषों की अपेक्षा नारियों की संख्या अधिक रही। कथा व्यास आचार्य धर्मेंद्र तिवारी ने बीते कल चतुर्थ दिवस पर प्रसंगानुसार श्री कृष्ण की मधुर और अलौकिक बाल लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने क्रमानुसार पूतना मोक्ष, शकटासुर व तृणावर्त बध की संक्षेप में चर्चा की। कथा व्यास ने भगवान कृष्ण के नामकरण और माखन चोरी की लीलाओं का भी वर्णन किया। प्रसंगानुसार कथा व्यास ने आगे कहा कि एक दिन बलराम व ग्वाल बाल सखाओं ने माता यशोदा से कन्हैया के मिट्टी खाने की शिकायत कर दी ? मैया की डपट पर कान्हा ने कहा कि उन्होंने मिट्टी नहीं खाई है बलराम झूठ बोल रहे हैं । तोतली भाषा में बाल स्वरूप श्री कृष्ण ने अपना मुख खोलकर माता यशोदा को सफाई पेश की जैसे ही श्री कृष्ण ने मुख खोल माता यशोदा को सफाई पेश की। जैसे ही श्री कृष्ण ने मुख खोला माता यशोदा ने उनके मुख के भीतर सारे चर/ अचर ब्रह्मांड, ग्रह, नक्षत्र, पर्वत, समुद्र और स्वयं गोकुल के साथ अपना रूप दिखाई देने लगा इस विस्मय कारी पलों में माता यशोदा भयभीत होकर प्रभु की माया को प्रणाम करने लगी। इधर गिरधर गोपाल तुरंत अपनी माया फैलाकर सामान्य बालक के रूप में आ गए। तब मां यशोदा कृष्ण के बाल रूप को लाड ,दुलार करने लगी। कथा व्यास ने कालिया मर्दन और यमुना शुद्धिकरण व इंद्र का मान मर्दन और गोवर्धन पूजा के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला । इधर श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस से ही कथा स्थल एक तीर्थ स्थल के रूप में परिवर्तित सा हो गया है। कथा श्रवण हेतु उमड़ी नर नारियों के भीड़ उनके अर्जित पुण्य लाभ के रूप में देखी जा रही है। मालूम हो कि कथा का समापन 9 सितंबर को होगा । आयोजक /यजमान मुकेश गुप्ता ने कथा में भागीदारी कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे श्रोता समाज के प्रति आभार प्रकट किया

बहला-फुसलाकर युवती को भगाने का परिजनों ने दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार क्षेत्र के एक गाँव से पीड़ित माँ ने तहरीर में बताया 5 सितंबर 2026 को वह खेत में खाद डालने गई थीं। उनकी 20 वर्षीय पुत्री घर पर अकेली थी। मौका देख गांव के ही संदीप युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। इस घटना में संदीप के भाई रूपेश व सुरेन्द्र और उसकी मां गंगा दुलारी भी शामिल थे और उन्होंने भगाने में मदद की। काफी खोजबीन के बाद भी जब लड़की का कोई सुराग नहीं मिला। लड़की अपने साथ तीस हजार नगद के साथ जेवर भी ले गयी है। थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया मुकदमा दर्ज कर युवती की तलाश की जा रही है।

अपाचे ने मारी टक्कर युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव ।बिहार थाना क्षेत्र के उन्नाव-लालगंज हाईवे पर एक भीषण सड़क दुर्घटना में युवक की जान चली गई। घटना के संबंध में मृतक के पिता बुद्धीलाल पुत्र शंकरलाल, निवासी पाटन की तहरीर पर बिहार पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।मृतक के पिता द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, 30 अगस्त 2026 की शाम लगभग 6:00 बजे उनका पुत्र सुनील कुमार अपनी मोटरसाइकिल (UP 35 AW 5681) से जा रहा था। इसी दौरान हाईवे पर कानपुर की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार अपाचे मोटरसाइकिल (UPX78 JS 0030) के चालक ने लापरवाही से चलाते हुए सुनील की बाइक में जोरदार टक्कर मार दीटक्कर इतनी तेज थी कि सुनील की मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद घायल अवस्था में उसे बीघापुर अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई ।थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

किसान ने निगली कीटनाशक दवा हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के हरचंदपुर गांव में मंगलवार दोपहर एक किसान ने संदिग्ध परिस्थितियों में कीटनाशक पदार्थ पी लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवाबगंज लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हरचंदपुर गांव निवासी चंद्रशेखर (45) पुत्र रामनरेश खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। मृतक की पत्नी गोमती के अनुसार, मंगलवार दोपहर चंद्रशेखर शराब पीकर घर पहुंचे थे। इस पर पत्नी ने उन्हें शराब पीने से मना किया। इसी बात से नाराज होकर चंद्रशेखर ने घर में रखा कीटनाशक पी लिया।

कुछ देर बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी और उन्हें उल्टियां होने लगीं। परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। वहां मौजूद डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

चंद्रशेखर की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे पत्नी गोमती, दो बेटियां रिंकी व शालू और एक बेटा आदर्श को छोड़ गए हैं।

कोतवाल सुरेश सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सुने पड़े घर को चोरों ने बनाया अपना निशाना

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के सराय मलकादिम गांव में चोरों ने सूने घर को निशाना बना लिया। पीड़ित लुधियाना में मजदूरी करता है। घटना की जानकारी मिलने पर वह तत्काल गांव पहुंचा और हसनगंज कोतवाली में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

हरिश्चंद्र पुत्र गजराज ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दो सितंबर को उसके घर और पड़ोस के घर में चोरी हुई थी। पीड़ित ने गांव के ही लवकुश पुत्र भीखा पर चोरी करने का संदेह जताते हुए आरोप लगाया कि युवक विभिन्न प्रकार की बातें कर मामले को भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है। पीड़ित ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित न्याय दिलाने और आरोपित के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है ।कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

सम्पादकीय

जिंदगी पर भारी नगर निकायों की उदासीनता

देश में स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था इसलिए विकसित की गई थी कि शहरों और कस्बों की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर हो। नगर निगम, नगर पालिका और अन्य स्थानीय संस्थाओं को अधिकार दिए गए, जिम्मेदारियां सौंपी गईं और उनसे उम्मीद की गई कि वे नागरिकों को सुरक्षित और बेहतर जीवन देंगे, लेकिन आज यही संस्थाएं कई जगह नागरिकों की सुरक्षा के लिए सबसे कमजोर कड़ी साबित हो रही हैं। सड़कों से लेकर नालों तक और इमारतों से लेकर जल निकासी व्यवस्था तक, लापरवाही का असर सीधे लोगों की जिंदगी पर पड़ रहा है। दिल्ली में बहुमंजिला हॉस्टल गिरने की हालिया घटना इसका जीता जागता उदाहरण है। इस हादसे में सात लोगों की मौत और कई लोगों के घायल होने के बाद जांच और कार्रवाई का दौर शुरू हुआ। दिल्ली हाईकोर्ट ने भी मामले में गंभीर टिप्पणी करते हुए दिल्ली नगर निगम, सरकार और दिल्ली विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने हॉस्टलों की खराब स्थिति पर चिंता जताई और संबंधित सरकारों तथा संस्थाओं से जवाब मांगा है। पुलिस ने हॉस्टल मालिक को भी गिरफ्तार किया है, लेकिन गिरफ्तारी और जांच से बड़ा सवाल यह है कि जिस इमारत में छात्र रह रहे थे, उसकी स्थिति हादसे से पहले किसी जिम्मेदार अधिकारी को क्यों नहीं दिखाई दी? यही सवाल हर उस हादसे के बाद उठता है, जिसमें व्यवस्था की लापरवाही किसी की जिंदगी छीन लेती है। मैनहोल खुला हो तो हादसा होने के बाद उसे बंद किया जाता है। सड़क पर गड्ढा हो तो दुर्घटना के बाद मरम्मत होती है। जर्जर इमारत हो तो उसके गिरने के बाद नोटिस और जांच शुरू होती है। बारिश में जलभराव हो तो पानी उतरने के बाद नालों की सफाई का दावा किया जाता है। आग लगने के बाद अग्निसुरक्षा नियमों की याद आती है। यानी प्रशासन की सक्रियता नागरिक की सुरक्षा से नहीं, हादसे से तय होती है। दिल्ली, एनसीआर, मुंबई और दूसरे बड़े शहरों में अनियोजित निर्माण ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। शहर फैलते गए, इमारतें ऊंची होती गईं, लेकिन उनके अनुरूप बुनियादी ढांचा और निगरानी तंत्र मजबूत नहीं हुआ। कई जगह भवन नियम कागजों में सख्त हैं, लेकिन जमीन पर उनका पालन कराने वाला तंत्र कमजोर है। इससे भी गंभीर स्थिति तब पैदा होती है जब नियमों को लागू करने में राजनीतिक हस्तक्षेप आड़े आता है। स्थानीय दबाव, सिफारिश और राजनीतिक संरक्षण यदि नियमों से ऊपर हो जाएं तो फिर नागरिक की सुरक्षा सबसे पीछे चली जाती है। यह भी समझना होगा कि हर हादसे के लिए केवल भवन मालिक या ठेकेदार को दोषी ठहराकर नगर निकाय अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। आखिर भवन का नक्शा किसने पास किया? निरीक्षण किसने किया? निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? इन सवालों के जवाब तय करेंगे कि गलती वास्तव में कहां हुई। प्रत्येक शहर में जर्जर इमारतों का नियमित सर्वे, खुले मैनहोल की तत्काल मरम्मत, जलभराव वाले स्थानों की स्थायी योजना और भवन नियमों के उल्लंघन पर समयबद्ध कार्रवाई जरूरी है। निरीक्षण की व्यवस्था को पारदर्शी और राजनीतिक दबाव से मुक्त करना होगा। अब वक्त हादसे के बाद जागने का नहीं, हादसे से पहले खतरा पहचानने का है। क्योंकि नगर निकायों की एक छोटी-सी लापरवाही किसी परिवार के लिए जिंदगी भर का मातम बन सकती है।

दिनेश शर्मा का अंडमान प्रस्थान: सम्मान की नई ऊंचाई या उत्तर प्रदेश की सियासत से सियासी विराम?

संघ-विद्यार्थी परिषद से सत्ता के शिखर तक पहुंचे डॉ. दिनेश शर्मा को ऐन चुनावी बेला में प्रदेश से दूर किए जाने के मायने तलाश रही सियासत

हिंदी दैनिक 'अमन लेखनी' लखनऊ

अंडमान-निकोबार के उपराज्यपाल पद पर डॉ. दिनेश शर्मा की नियुक्ति निस्संदेह एक गरिमापूर्ण संवैधानिक दायित्व है। लेकिन राजनीति केवल पदों की भाषा नहीं समझती, वह समय, परिस्थितियों और राजनीतिक संदेशों को भी पढ़ती है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक सवाल तेजी से तैर रहा है—क्या डॉ. दिनेश शर्मा को अंडमान भेजना उनके राजनीतिक कद का सम्मान है या उत्तर प्रदेश की सक्रिय राजनीति से उन्हें धीरे-धीरे दूर करने की रणनीति?

यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि डॉ. दिनेश शर्मा कोई सामान्य राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं हैं। विद्यार्थी परिषद और संघ के वैचारिक संस्कारों से निकलकर उन्होंने भाजपा में लंबी संगठनात्मक पारी खेली। लखनऊ के महापौर से लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और फिर राज्यसभा तक उनका सफर एक ऐसे कार्यकर्ता की कहानी है जिसने राजनीति में पद से अधिक संगठन और विचार को महत्व दिया।

लखनऊ की गलियों से शुरू हुआ उनका राजनीतिक सफर प्रदेश की सत्ता के गलियारों तक पहुंचा। दो बार राजधानी के महापौर रहे। संगठन में महत्वपूर्ण दायित्व संभाले। 2017 में भाजपा की सरकार बनने पर योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री बने। इसके बाद राज्यसभा में पहुंचे। अर्थात डॉ. दिनेश शर्मा का राजनीतिक जीवन केवल चुनाव जीतने-हारने का नहीं, बल्कि संगठनात्मक निष्ठा, प्रशासनिक अनुभव और वैचारिक प्रतिबद्धता का भी परिचायक रहा है।

ऐसे में जब उत्तर प्रदेश 2027 के विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ रहा है, तभी उन्हें प्रदेश की राजनीति से हटाकर अंडमान-निकोबार का उपराज्यपाल बनाया जाना स्वाभाविक रूप से राजनीतिक विमर्श का विषय बन गया है।

क्या यह सम्मान है? निश्चित रूप से। लेकिन क्या इसके राजनीतिक मायने नहीं हैं?

उपराज्यपाल का पद किसी भी राजनेता के लिए सम्मानजनक और महत्वपूर्ण संवैधानिक जिम्मेदारी है। अंडमान-निकोबार सामरिक दृष्टि से देश का अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसलिए इस नियुक्ति को केवल राजनीतिक वनवास कहना उचित नहीं होगा।

लेकिन राजनीति में सवाल केवल यह नहीं होता कि किसे क्या पद मिला?

सवाल यह भी होता है कि कब मिला, क्यों मिला और उस समय उससे क्या राजनीतिक संभावना समाप्त हुई?

यही प्रश्न डॉ. दिनेश शर्मा के मामले में भी उठ रहा है।

उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव 2027 में होना है। भाजपा के सामने सत्ता को लगातार तीसरी बार बनाए रखने की चुनौती है। ऐसे समय में पार्टी के एक अनुभवी, संगठननिष्ठ और प्रदेश की राजनीति को गहराई से समझने वाले चेहरे का सक्रिय राजनीति से बाहर हो जाना निश्चित रूप से चर्चा पैदा करेगा।

काला पानी की उपमा क्यों गूंज रही है?

अंडमान का इतिहास भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दर्दनाक अध्यायों से जुड़ा है। इसलिए भारतीय राजनीतिक चेतना में अंडमान और काला पानी की उपमा आज भी प्रतीकात्मक अर्थ रखती है।

डॉ. दिनेश शर्मा को अंडमान भेजे जाने के बाद इसी ऐतिहासिक प्रतीक ने राजनीतिक भाषा में नया अर्थ ग्रहण कर लिया है।

क्या यह वास्तव में काला पानी है?

या फिर एक ऐसा राजभवन है, जहां से उनके सार्वजनिक जीवन का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है?

यह फैसला इतिहास करेगा।

सबसे बड़ा प्रश्न—क्या राजनीतिक विराम स्थायी है?

डॉ. दिनेश शर्मा के समर्थकों और प्रदेश की

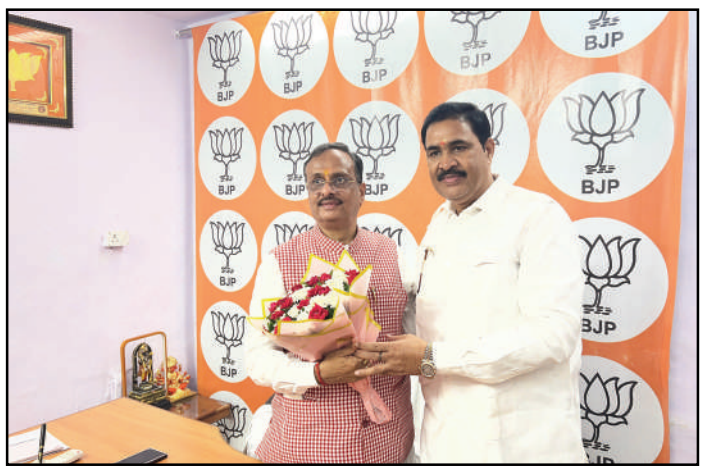

राजनीति को करीब से देखने वालों के लिए सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह नियुक्ति उनकी सक्रिय राजनीतिक पारी पर विराम है।

क्योंकि संवैधानिक पद की अपनी मर्यादा होती है। उपराज्यपाल रहते हुए कोई व्यक्ति सामान्य राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी नहीं कर सकता। इसका अर्थ यह हुआ कि उत्तर प्रदेश की चुनावी राजनीति में डॉ. दिनेश शर्मा की प्रत्यक्ष भूमिका फिलहाल समाप्त हो गई।

लेकिन राजनीति में विराम का अर्थ हमेशा अंत नहीं होता।

भारतीय राजनीति में ऐसे अनेक उदाहरण हैं जब किसी नेता को संवैधानिक दायित्व सौंपे जाने के बाद भी समय आने पर उन्हें फिर बड़ी राजनीतिक भूमिका मिली।

इसलिए डॉ. दिनेश शर्मा की कहानी को अभी अंतिम अध्याय मान लेना जल्दबाजी होगी।

निष्ठा की राजनीति बनाम अवसर की राजनीति

डॉ. दिनेश शर्मा की राजनीतिक यात्रा का एक पक्ष विशेष रूप से उल्लेखनीय है—उन्होंने राजनीति की शुरूआत संगठन से की और संगठन में लंबे समय तक काम किया। ऐसे कार्यकर्ताओं की राजनीति तत्काल लाभ के बजाय दीर्घकालिक विश्वास पर टिकी होती है।

आज जब राजनीति में दल-बदल, अवसरवाद और तात्कालिक महत्वाकांक्षाएं चर्चा का विषय हैं, तब दशकों तक एक ही विचारधारा के साथ खड़े रहने वाले कार्यकर्ता को संवैधानिक दायित्व मिलना निश्चित रूप से सम्मान की बात है।

लेकिन दूसरी तरफ यह प्रश्न भी अपनी जगह कायम है कि क्या ऐसे अनुभवी राजनीतिक कार्यकर्ता का उपयोग उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और निर्णायक राज्य में नहीं किया जा सकता था?

यही वह सवाल है जिसका उत्तर भाजपा के भविष्य के राजनीतिक फैसलों में छिपा होगा।

उत्तर प्रदेश की राजनीति से एक चेहरा कम हुआ या एक नई भूमिका का जन्म हुआ?

डॉ. दिनेश शर्मा की अंडमान यात्रा को लेकर आज दो बिल्कुल विपरीत राजनीतिक व्याख्याएं सामने आ सकती हैं।

पहली—भाजपा ने अपने पुराने और निष्ठावान कार्यकर्ता को महत्वपूर्ण संवैधानिक जिम्मेदारी देकर सम्मानित किया है।

दूसरी—उत्तर प्रदेश में बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच एक संभावित प्रभावशाली चेहरे को सक्रिय राजनीति से दूर कर दिया गया है।

दोनों तर्कों में अपनी-अपनी संभावनाएं हैं।

लेकिन एक बात निर्विवाद है—

डॉ. दिनेश शर्मा का राजनीतिक जीवन इतना सहज और साधारण नहीं है कि अंडमान की नियुक्ति को केवल एक प्रशासनिक नियुक्ति मानकर उसके राजनीतिक अर्थों की अनदेखी कर दी जाए।

उनका अतीत सवाल पूछता है, वर्तमान जवाब तलाश रहा है और भविष्य शायद पूरी तस्वीर सामने रखेगा।

पूर्णविराम नहीं, फिलहाल प्रश्नचिह्न

डॉ. दिनेश शर्मा के राजनीतिक जीवन पर पूर्णविराम लग गया है—ऐसा कहना अभी जल्दबाजी होगी।

क्योंकि जिसने विद्यार्थी परिषद से अपना सफर शुरू किया हो, जिसने संघ के संस्कारों में संगठन की राजनीति सीखी हो, जिसने लखनऊ की राजनीति से प्रदेश की सत्ता तक का सफर तय किया हो और जिसने उपमुख्यमंत्री से राज्यसभा तक अपनी पहचान बनाई हो, उसके राजनीतिक जीवन की अंतिम पटकथा इतनी जल्दी नहीं लिखी जा सकती।

अंडमान का राजभवन उनके लिए राजनीतिक निर्वासन है या नई संवैधानिक पारी का प्रवेशद्वार, इसका फैसला आने वाला समय करेगा।

फिलहाल उत्तर प्रदेश की सियासत में सवाल गूंज रहा है—

'दिनेश शर्मा को अंडमान भेजना सम्मान की नई ऊंचाई है या उत्तर प्रदेश की राजनीति से सियासी विराम?'

और शायद इस सवाल का सबसे दिलचस्प जवाब 2027 के विधानसभा चुनाव के बाद भारतीय राजनीति देगी।

(लेखक हिंदी दैनिक अमन लेखनी के प्रधान संपादक एवं प्रखर राजनीतिक विश्लेषक है)

दिल्ली हादसा
डॉ घनश्याम बादल

मलबे में दबते सपने और बिके हुए सुरक्षा मानक

कहीं भी जब कोई इमारत गिरती है तो कुछ घंटे के लिए लोगों की सांस थम जाती है। कैमरे मलबे पर टिक जाते हैं, राहतकर्मी ईंट-पत्थरों के बीच जिंदगी तलाशते हैं, नेता घटनास्थल पर पहुंचते हैं और प्रशासन सक्रिय दिखाई देने लगता है। फिर बयान आते हैं। जांच होगी', दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा, 'मृतकों के परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा। सवाल मगर वहीं खड़ा रहता है। जिस इमारत को गिरने से पहले बचाया जा सकता था, उसे गिरने ही क्यों दिया गया? दिल्ली में ढही इमारत कोई अकेली घटना नहीं है। राजधानी और देश के दूसरे शहरों में इमारतों के ढहने, आग लगने और अवैध निर्माण से होने वाली दुर्घटनाएं बार-बार बता रही हैं कि समस्या ईंट-पत्थर की नहीं, व्यवस्था की है। पुराना राजेंद्र नगर हो, जहां बेसमेंट में पानी भरने से तीन प्रतियोगी परीक्षार्थियों की जान गई थी, या राजकोट का गेम जोन, जहां आग ने कई परिवारों को उजाड़ दिया- हर घटना के बाद एक ही तस्वीर उभरती है, नियम मौजूद थे, जिम्मेदार विभाग मौजूद थे, लेकिन जिम्मेदारी गायब थी। आखिर ऐसा क्यों है? इमारतें अचानक नहीं गिरतीं। उनके गिरने की पटकथा महीनों और कई बार वर्षों में लिखी जाती है। कहीं नक्शे से खिलवाड़ होता है, कहीं मंजिलें बढ़ाई जाती हैं, कहीं घटिया सामग्री इस्तेमाल होती है, कहीं बेसमेंट का उपयोग बदल दिया जाता है। शिकायतें भी होती हैं। निरीक्षण भी होते हैं। कागज भी चलते हैं। फिर भी अवैध निर्माण खड़ा रहता है। क्या हमारी व्यवस्था की आंखें तभी खुलती हैं जब मलबे में से कोई शव निकलता है? यही सवाल प्रशासन से है और उससे भी ज्यादा उस भ्रष्ट तंत्र से, जिसमें नियम कानून की किताब में रहते हैं और उनका उल्लंघन बाजार में खुलेआम चलता है। हादसा हुआ नहीं कि संवेदना का बाजार सज गया। ट्वीट, बयान, दौरे, मुआवजे और जांच के आदेश। मगर जनता पूछती है-जांच हादसे के बाद ही क्यों? क्या किसी नेता या अधिकारी को यह पता नहीं होता कि उसके क्षेत्र में कितने भवन अवैध हैं? कितने बेसमेंट में कोचिंग चल रही है? कितने पीजी में क्षमता से दोगुने-तीन गुने विद्यार्थी रह रहे हैं? कितनी इमारतों में अग्नि निकास केवल कागज पर है? यदि पता है तो कार्रवाई क्यों नहीं? यदि पता नहीं है तो फिर प्रशासन कर क्या रहा है? इस सवाल का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे अक्सर हादसे की सनसनी में भुला दिया जाता है- वे बच्चे और युवा, जो इन असुरक्षित इमारतों में रहने को मजबूर हैं। गांव का किसान अपने बेटे को दिल्ली भेजता है। छोटा दुकानदार अपनी बेटी को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए शहर भेजता है। परिवार अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च करता है, क्योंकि उसे उम्मीद है कि पढ़ाई से अगली पीढ़ी की जिंदगी बदल जाएगी। लेकिन शहर में पहुंचते ही यह सपना एक महंगे बाजार में प्रवेश कर जाता है। कोचिंग की फीस अलग, पीजी का किराया अलग, भोजन अलग, बिजली अलग, इंटरनेट अलग और लाइब्रेरी की फीस अलग। सुरक्षित आवास महंगा है तो विद्यार्थी सस्ता पीजी चुनता है। कमरे में चार की जगह आठ रह जाते हैं। पार्किंग के लिए बना बेसमेंट लाइब्रेरी बन जाता है। आवासीय भवन में कोचिंग शुरू हो जाती है। विद्यार्थी को ज्ञान देने के नाम पर करोड़ों का कारोबार करने वालों के लिए उसकी सुरक्षा की कीमत इतनी कम क्यों है? राजेंद्र नगर की घटना के बाद बेसमेंट में चल रहे कोचिंग और लाइब्रेरी परिसरों पर कार्रवाई हुई। कई संस्थान सील किए गए, नोटिस दिए गए और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। मगर सवाल फिर वही है। अगर नियम पहले से थे तो उन्हें लागू करने के लिए तीन जिंदगियों की बलि क्यों चाहिए थी? हमारी सबसे बड़ी विडंबना है। हम हादसों के बाद जागते हैं और कुछ समय बाद फिर सो जाते हैं। राजकोट की आग ने भी यही बताया। अग्नि सुरक्षा, निकास और निर्माण संबंधी नियमों की अनदेखी कितनी महंगी पड़ सकती है, देश ने देखा। बात केवल इमारतों की नहीं है। बात उस भरोसे की है जिसके सहारे गांव का एक पिता अपना बच्चा महानगर भेजता है। मलबे से शव निकाल लेना राहत कार्य है।

ईश्वर की प्राप्ति

संकलित
दर्शन

जड़ जगत की रचना के लिए ईश्वर की जो शक्ति काम करती है, उसे प्रकृति कहते हैं और चैतन्य जगत की रचना करने वाली शक्ति को जीव कहते हैं। जिस प्रकार दोनों हाथ एक ही शरीर के दो भाग हैं, उसी प्रकार जीव और प्रकृति दोनों ही ईश्वरतत्व के दो अंश हैं। अध्यात्म तत्व के जिज्ञासु जिस ईश्वर की उपासना करते हैं, असल में वह अखिल आद्यशक्ति का सतोगुणी अंश है। मानवीय उन्नति तो सत्व गुणों को प्राप्त करने से ही हो सकती है। इसलिए उन उच्च गुणों की एक मानसिक प्रतिमा बनाकर उपासना करने का विधान किया गया है। ईश्वर का सत्व गुण अदृश्य रूप से हमारे निकट ही वर्तमान है। उसे अधिक मात्र में खींचकर अपने अंदर भर लेने के लिए प्रेम, श्रद्धा, विश्वास और ध्यान अभ्यास की आवश्यकता होती है। इन्हीं चारों के समन्वय को 'उपासना' कहा जाता है। उपासना जितनी ही प्रबल होगी, आकर्षण भी वैसा ही सशक्त होगा और उसी के अनुसार उपास्य देवतत्व की प्राप्ति होगी। प्रेम, दया, करुणा, सहानुभूति, उदारता, त्याग, समता और न्याय आदि सद्गुणों का निष्ठापूर्वक जितना अधिक चिंतन किया जाता है, उतनी अधिक उनकी प्राप्ति होती है। उन्नति का क्रम तम से सत की ओर चलना है। जिसने जितना ही सत्गुण अपने में धारण कर लिया, आध्यात्मिक दृष्टि से वह उतना ही उन्नतिशील कहा जाएगा। यदि एक भक्त सत तत्व की उपासना करता है तो कोई कारण नहीं कि उसे वह प्राप्त न हो। ईश्वर की उपासना का तात्पर्य उसके दिव्य सत्तत्व की आराधना है।

मन का भोजन हमारे विचार हैं

संकलित
प्रेरणा

एक दिन गौतम बुद्ध अपने शिष्यों और अन्य लोगों को उपदेश दे रहे थे। सत्संग में काफी लोग बैठे हुए थे। भीड़ में से एक व्यक्ति उठा और उसने बुद्ध से पूछा कि तथागत मैं जब ध्यान करने बैठता हूं तो मेरा मन ध्यान में नहीं लग पाता है। कृपया बताइए, मैं ध्यान कैसे कर सकता हूं? बुद्ध के साथ ही सत्संग में बैठे हुए लोगों ने भी ये प्रश्न सुना, लेकिन बुद्ध ने उस व्यक्ति से कहा कि कृपया फिर से अपनी बात कहें। उस व्यक्ति ने फिर से कहा कि मेरा मन ध्यान में नहीं लगता है, मैं ध्यान कैसे कर सकता हूं? बुद्ध ने कहा कि एक बार और अपनी बात कहें। उस व्यक्ति ने एक बार और अपनी बात कह दी। बुद्ध ने कहा कि हमारे विचार मन के लिए भोजन हैं। जब तक मन को विचारों का भोजन मिलता रहेगा, हम ध्यान नहीं कर सकते हैं। जब हम ध्यान करने बैठे, तब मन को विचारों का भोजन नहीं देना चाहिए, यानी सोच-विचार करना बंद कर देना चाहिए। तब ही हम ध्यान कर पाएंगे। जब मन विचारों से खाली हो जाएगा, तब ही हम ध्यान कर पाएंगे। बुद्ध ने उस व्यक्ति से ध्यान के बारे में प्रश्न तीन बार पूछा था और बुद्ध ने भी तीन बार इस प्रश्न का उत्तर दिया। बुद्ध ने तीन बार उत्तर दिया तो लोगों ने पूछा कि आपने इस व्यक्ति से तीन बार प्रश्न पूछा और उत्तर भी तीन बार ही दिया, ऐसा क्यों? बुद्ध ने लोगों को समझाया कि मैं इन सज्जन से तीन बार प्रश्न पूछा, क्योंकि मैं प्रश्न के लिए इनको गंभीरता को परखना चाहता था। जब मुझे लगा कि ये अपने प्रश्न के लिए गंभीर हैं, तब मैंने उत्तर भी तीन बार दिया, ताकि मेरी बात इन्हें अच्छी तरह समझ आ जाए।

अंतर्मन

आज की पाती

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह : स्वस्थ भारत की मजबूत नींव

हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 1 से 7 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। शारीरिक विकास के लिए संतुलित आहार और उचित पोषण हर किसी के लिए बहुत आवश्यक है, फिर चाहे वह कोई बच्चा हो, बुजुर्ग हो या महिलाएं। हमें यह याद रखना चाहिए कि पोषण केवल स्वास्थ्य का ही विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा राष्ट्रीय दायित्व है। इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य आमजन को संतुलित आहार, उचित पोषण, कुपोषण की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। वास्तव में यह सप्ताह हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र का निर्माण केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि स्वस्थ नागरिकों से होता है। कहना गलत नहीं होगा कि पोषण हमारे शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास का आधार है - *प्रवीण काले, महासमुंद*

ट्रेंड

शोधार्थियों से आग्रह

शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ रोजगार हासिल करना नहीं, बल्कि आलोचनात्मक सोच व नवाचार को बढ़ावा देना होना चाहिए। शोधार्थियों ऐसे विषय चुने जो समुदाय की समस्याओं का समाधान करें और समावेशी विकास को बढ़ावा दें। -**सी. पी. राधाकृष्णन**, उपराष्ट्रपति

आर्थिक वृद्धि बरकरार

भारत ने वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद अन्य देशों के साथ जुड़ाव बढ़ाकर और रणनीतिक साझेदारियां कायम कर अपनी आर्थिक वृद्धि की रफ्तार को कायम रखा है। भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.8 प्रतिशत रही। -**अमित शाह**, केंद्रीय गृहमंत्री

आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं

पूर्ववर्ती सरकारों के वित्तीय कुप्रबंधन के कारण पश्चिम बंगाल की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। राजस्व का नुकसान, चोरी और केंद्रीय योजनाओं में शामिल न होने के कारण राज्य व्यावहारिक रूप से दिवालिया हो गया है। हम खराब स्थिति में हैं और वित्तीय संकट से बाहर आने के लिए हमें एक वर्ष लगेगा। -**शुभेंदु अधिकारी**, सीएम, प. बंगाल

कानून-व्यवस्था जरूरी

विकास के लिए कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है। पुलिस का काम सिर्फ आरोपियों को गिरफ्तार करना नहीं, बल्कि राज्य के विकास की नींव मजबूत करना भी है। जो लोग कानून का पालन करते है, उनके लिए पुलिस दोस्त है और जो कानून नहीं मानते, उनके लिए पुलिस दुश्मन है। -**जोसेफ विजय**, सीएम, तमिलनाडु

करंट अफेयर

ब्रिटेन सरकार की प्रवासियों के विरोध में प्रदर्शन पर नाराजगी

ब्रिटेन सरकार ने सोमवार को इंग्लिश चैनल पार कर आए प्रवासियों के विरोध में दक्षिणी इंग्लैंड के एक बंदरगाह पर प्रदर्शन करने वाले प्रवासी विरोधी प्रदर्शनकारियों के 'डराने-धमकाने वाले और उग्र व्यवहार' की निंदा की। रविवार देर रात पोर्ट्समाउथ में सैकड़ों प्रदर्शनकारी पुलिस के सामने आ गए। इनमें से कई ने काले कपड़े पहन रखे थे और चेहरे ढक रखे थे। प्रदर्शनकारियों ने प्रवासियों को किनारे लाने वाली बचाव नौकाओं को रोकने का प्रयास किया। इसके बाद उन्होंने नए आए प्रवासियों को शरणार्थी आवेदन प्रक्रिया केंद्र तक ले जाने वाली बसों को भी रोकने की कोशिश की।

ऑफ बीट

वर्कआउट के बाद रिकवरी के लिए अपना रहे कई तरीके

मुश्किल वर्कआउट पूरा करने के बाद हमेशा अच्छा महसूस होता है, लेकिन कुछ घंटों बाद मांसपेशियों में दर्द और खिंचाव शुरू हो जाता है। यह परेशानी कई दिन तक रह सकती है और रोजमर्रा के आसान काम करना भी मुश्किल हो सकता है। इस दर्द से राहत पाने के लिए जिम जाने वाले लोग अब उन तरीकों को अपना रहे हैं, जो पहले केवल बड़े स्तर के खिलाड़ियों के लिए इस्तेमाल किए जाते थे। सोशल मीडिया और पेशेवर खेलों ने आइस बाथ, कंप्रेशन वस्त्र, मसाज और रिकवरी सप्लीमेंट जैसी कई चीजों को लोकप्रिय बनाया है। रिकवरी के तरीकों में आइस बाथ पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया गया

संक्षेप

डाकघर सिर्फ कागजों में

स्थायी जगह न होने से समय और पैसा दोनों हो रहे खर्च, ग्रामीणों ने की मांग

शाहजहांपुर , जैतीपुर कस्बे में डाकघर सिर्फ कागजों में चल रहा है। यहां पोस्टमैन सिर्फ डाक बांटने आते हैं और चले जाते हैं। डाकघर की कोई स्थायी जगह नहीं है। इस वजह से ग्रामीणों को रजिस्ट्री और जरूरी दस्तावेज भेजने के लिए दूसरे कस्बों में जाना पड़ रहा है। इससे उनका समय और पैसा दोनों ज्यादा खर्च हो रहे हैं।इस डाकघर के दायरे में एक दर्जन से ज्यादा गांव आते हैं। जैतीपुर कस्बे के लटूरी लाल इंटर कॉलेज के क्लर्क रफी अहमद ने अपनी परेशानी बताई। उन्हें बोर्ड परीक्षार्थियों से जुड़े जरूरी कागजात बरेली क्षेत्रीय कार्यालय भेजने थे। इसके लिए वे पिछले दो दिनों से जैतीपुर में पोस्ट ऑफिस ढूंढ रहे थे, लेकिन डाकघर की कोई तय जगह न होने से उन्हें सुविधा नहीं मिल पाई रफी अहमद डाक भेजने के लिए खेड़ा बझेड़ा के पोस्ट ऑफिस पहुंचे। वहां सर्वर की दिक्कत के कारण उनका काम नहीं हो पाया। अब उन्हें जरूरी कागजात की रजिस्ट्री कराने के लिए करीब 16 किलोमीटर दूर तिलहर जाना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि इस तरह जरूरी डाक भेजने में ज्यादा समय और किराया खर्च हो रहा है। कस्बे के पूरन लाल मिश्रा, कृष्ण कुमार सक्सेना, अन्नू त्रिपाठी, प्रमोद तिवारी और सुनील यादव समेत कई लोगों ने डाक विभाग के बड़े अधिकारियों और शासन-प्रशासन से मांग की है। उन्होंने जैतीपुर कस्बे में डाकघर के लिए एक तय और स्थायी जगह देकर इसे ठीक से चलाने की अपील की है। लोगों का कहना है कि कस्बे में डाकघर की सुविधा होने से आसपास के गांवों के लोगों को भी रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट और दूसरी डाक सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। मीरानपुर कटरा के पोस्ट मास्टर जगदीश कुमार ने बताया कि जल्द ही इस समस्या का हल निकाला जाएगा।

3 दिन की बारिश-तेज हवा से गन्ने की फसल गिरी

सिधौली के ईटारोडा में 50 किसानों को नुकसान, मुआवजे की मांग

शाहजहांपुर ,सिधौली ब्लॉक के ईटारोडा गांव में पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश और तेज हवा ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। तेज हवा के कारण खेतों में खड़ी गन्ने की फसल कई जगह गिर गई है। इससे किसानों को काफी नुकसान हुआ है और वे आर्थिक परेशानी में हैं। ईटारोडा निवासी किसान सुनील सिंह ने बताया कि उनकी करीब डेढ़ एकड़ गन्ने की फसल बारिश और तेज हवा से खेत में गिर गई है। इससे उन्हें करीब 50 प्रतिशत का नुकसान हुआ है। उनका कहना है कि फसल गिरने से गन्ने के वजन और पैदावार पर भी असर पड़ सकता है। गांव के किसान राजबहादुर सिंह ने बताया कि उनकी करीब दो एकड़ गन्ने की फसल तेज हवा से खेत में गिर गई है। उन्हें 50 से 60 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है। एक और किसान ने बताया कि तेज हवा और बारिश से उनका करीब दो एकड़ गन्ना गिर गया, जिससे अनुमानित 70 से 80 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है।

FLN एवं NCERT पुस्तक आधारित पाँच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण शुरू

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा , बहराइच। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के प्राचार्य एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह के निर्देश पर ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) बाबागंज में बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों का FLN एवं NCERT पुस्तक आधारित पाँच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण के चतुर्थ चरण का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी राधे श्याम वर्मा के निर्देशन में किया गया।

इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी राधे श्याम वर्मा ने कहा कि बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता को मजबूत करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है। इसके लिए सभी शिक्षक प्रशिक्षण को पूरी तन्मयता एवं गंभीरता से प्राप्त करें तथा प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान एवं शिक्षण रणनीतियों का प्रभावी उपयोग विद्यालयों में करें, जिससे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी शिक्षा प्रदान की जा सके।

उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत सभी शिक्षकों एवं शिक्षामित्रों को प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को FLN की अवधारणा, भाषा एवं गणित की आधारभूत दक्षताओं, NCERT की नवीन पाठ्यपुस्तकों तथा उनके अनुरूप प्रभावी शिक्षण-अधिगम की रणनीतियों से अवगत कराया जा रहा है। प्रत्येक शिफ्ट में 100 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में संदर्भदाता शैलेन्द्र कुमार , विमल अग्निहोत्री, अभिषेक कुमार मौर्या, जितेंद्र बहादुर पटेल, अब्दुल कदीर जी के द्वारा विभिन्न विषयों एवं गतिविधियों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को गतिविधि आधारित, बाल-केंद्रित एवं आनंददायी शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से बच्चों की सीखने की क्षमता को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

इस अवसर पर लैंग्वेज लर्निंग फाउंडेशन टीम के ब्लॉक समन्वयक संदीप सोनकर, तकनीकी सहायक राजू खान, फिरोज खान, सहित समस्त प्रतिभागी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया तथा प्रभावी शिक्षण के लिए उपयोगी रणनीतियों पर चर्चा की।

रूपईडीहा पुलिस एवं एसएसबी की संयुक्त टीम ने 51 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रुपईडीहा पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम ने 51 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई गई है। आरोपी के कब्जे से एक मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और 250 रुपये नकद भी बरामद हुए हैं।

रूपईडीहा थाना प्रभारी हरेन्द्र कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देश पर मादक पदार्थों की तस्करी पर रोकथाम के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी तथा क्षेत्राधिकारी नानपारा चित्रांशु गौतम के पर्यवेक्षण में और मेरे नेतृत्व में पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम ने सात सितंबर की रात सीमा पर कार्रवाई के क्रम में उक्त टीम द्वारा चिकवन मोहल्ला निवासी करीब 24 वर्षीय चाँद बाबू पुत्र इकबाल को 51 ग्राम नाजायज स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ थाना रुपईडीहा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। विधिक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय बहराइच भेज दिया गया।

बरामदगी में 51 ग्राम स्मैक, सीजशुदा मोटरसाइकिल टीवीएस अपाचे संख्या UP40BQ2541, एक वीवो डार्क ब्लू मोबाइल फोन तथा 250 रुपये नकद शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

करेंट लगने से झुलसा मजदूर, हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर, बहराइच ।फखरपुर क्षेत्र के ससना गांव में मकान निर्माण कार्य में मजदूरी करने गया युवक सटरिंग का कार्य करते समयकरंट की चपेट में आने से मौत हो गई। निमार्णाधीन मकान में अन्य मजदूरों द्वारा आनन फानन नजदीकी अस्पताल ले गए जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना परिजनों को मिलते ही गांव में चीख पुकार मच गई ।मृतक व्यक्ति का नाम राम फेरे चौरसिया पुत्र गुन्नी चौरसिया उम्र लगभग 45 वर्ष निवासी कनेरा थाना बौंडी के परिजनों ने बताया मजदूरी से ही परिवार का भरण पोषण होता था। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

भीषण गर्मी में घंटों बिजली गुल, एक माह में कई बार मेन लाइन में आई खराबी

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। सहाबा पावर हाउस से जुड़े क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह प्रभावित नजर आ रही है। भीषण गर्मी के बीच लगातार कई-कई घंटे बिजली गुल रहने से आम उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बार-बार मेन लाइन में ब्रेकडाउन होने से लोगों में विभागीय व्यवस्था को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय उपभोक्ताओं के अनुसार, पिछले एक माह के दौरान कई बार मुख्य विद्युत लाइन में खराबी आने से आपूर्ति बाधित हुई है। रविवार को भी सुबह से बिजली आपूर्ति ठप रही और करीब रात एक बजे के बाद विद्युत आपूर्ति बहाल हो सकी। इसके अगले दिन सोमवार को शाम करीब चार बजे एक बार फिर मेन लाइन में ब्रेकडाउन हो गया, जिसके चलते क्षेत्र में बिजली संकट गहरा गया। लगातार बिजली कटौती का सबसे अधिक असर बच्चों, बुजुर्गों और छात्रों पर पड़ रहा है। क्षेत्र के कई विद्यालयों में परीक्षाएं भी चल रही हैं। ऐसे में लंबे समय तक बिजली न रहने से विद्यार्थियों को पढ़ाई करने में काफी दिक्कत हो रही है। वहीं गर्मी और उमस के कारण घरों में रहने वाले लोगों की परेशानी भी बढ़ गई है। उपभोक्ताओं का कहना है कि हर बार मेन लाइन में खराबी को बिजली कटौती का कारण बताया जाता है, लेकिन बार-बार एक ही समस्या उत्पन्न होने के बावजूद इसका स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। लोगों का सवाल है कि आखिर मुख्य लाइन में लगातार खराबी क्यों आ रही है और इसकी तकनीकी जांच क्यों नहीं कराई जा रही है। स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि सहाबा पावर हाउस से जुड़ी मुख्य लाइनों, ट्रांसफार्मरों और अन्य विद्युत उपकरणों की तकनीकी जांच कराई जाए। साथ ही बार-बार होने वाले ब्रेकडाउन के कारणों का पता लगाकर स्थायी समाधान कराया जाए, ताकि भीषण गर्मी में उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिल सके।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोप में वांछित आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

संडीला। थाना संडीला पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में वांछित आरोपी तौसीफ पुत्र जाबिर अली, निवासी कहला, थाना रहीमाबाद, जनपद लखनऊ को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ युवती की शिकायत पर 28 जुलाई 2026 को मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में युवती ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ गलत कार्य किया। बाद में युवती द्वारा शादी के लिए कहने पर आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया ।पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी तौसीफ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है ।पुलिस टीम में उप निरीक्षक प्रभू नारायण पाल और कांस्टेबल योगेश कुमार शामिल रहे।

जब खाकी बनी अनाथ बच्चों का सहारा

अंधे भाई और बहन की मदद को पहुंचे कोतवाल

मां-बाप का साया उठा तो गांव वाले बने सहारा

खबर मिलते ही राजकुमार पांडेय ने राशन-कपड़ा, बिस्तर और 5100 नकद देकर बढ़ाया मदद का हाथ

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज बहराइच। वर्दी सिर्फ कानून-व्यवस्था संभालने के लिए नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के आंसू पोंछने के लिए भी आगे आ सकती है। कैसरगंज कोतवाली प्रभारी राजकुमार पांडेय ने कुछ ऐसा ही मानवीय संदेश दिया। ग्राम भखरौली कनपुरवा में माता-पिता के निधन के बाद बेसहारा जीवन जी रहे भाई-बहन की मदद के लिए वह पुलिस टीम के साथ उनके घर पहुंच गए। स्वर्गीय मुन्नालाल के बेटे आदित्य दृष्टिबाधित हैं, जबकि बेटी आरती हैं। दोनों के सिर से माता-पिता का साया उठ चुका है। घर में कोई ऐसा नहीं है, जो उनकी रोजमर्रा की जरूरतों का स्थायी सहारा बन सके। गांव के लोग अपने स्तर से दोनों की देखभाल करते हैं। जब कोतवाली प्रभारी राजकुमार पांडेय को दोनों बच्चों की स्थिति की जानकारी हुई तो उन्होंने देर नहीं की। पुलिस क्षेत्राधिकारी डीके श्रीवास्तव की मौजूदगी में पुलिस टीम के साथ उनके घर पहुंचे। पुलिस की गाड़ी से जब बच्चों के लिए राशन, फल, सब्जी और खाने-पीने का सामान उतरा तो ग्रामीण भी भावुक हो उठे। कोतवाल ने बच्चों के लिए कपड़े, गद्दा, चादर, राशन, फल, सब्जियां और जरूरत का अन्य सामान उपलब्ध कराया। इतना ही नहीं, आर्थिक मदद के तौर पर ?5100 नकद भी दिए। पुलिस की इस पहल से बच्चों के चेहरे पर राहत दिखाई दी ।ग्रामीण बोले—खाकी ने पेश की इंसानियत की मिसालइकोतवाली प्रभारी की इस पहल की ग्रामीणों ने जमकर सराहना की। ग्रामीणों का कहना था कि बेसहारा बच्चों के लिए पुलिस का इस तरह आगे आना इंसानियत की बड़ी मिसाल है। कानून-व्यवस्था के साथ जरूरतमंदों की मदद का यह चेहरा पुलिस और जनता के बीच भरोसे को और मजबूत करता है।

बड़े हनुमान मंदिर अभी भी बाढ़ में डूबा

10 दिन से शयन अवस्था में लेटे हनुमान जी, धीरे-धीरे घट रहा जलस्तर

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , संगम स्थित श्री बड़े हनुमान मंदिर में बाढ़ का पानी अभी भी भरा हुआ है। लगातार 10वें दिन श्री लेटे हनुमान जी शयन अवस्था में हैं और मंदिर का गर्भगृह अब भी जलमग्न है। हालांकि, गंगा-यमुना का जलस्तर अब धीरे-धीरे नीचे उतरने लगा है मंगलवार सुबह 8 बजे जारी रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नदियों के जलस्तर में पिछले 24 घंटे में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि कमी की रफ्तार अलग-अलग स्थानों पर अलग है। फिलहाल दोनों नदियां खतरे के निशान से काफी नीचे बह रही हैं और जिले के सभी तटबंध सुरक्षित हैं। यमुना नदी का नैनी में जलस्तर 81.42 मीटर दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटे में 34 सेंटीमीटर कम हुआ है। यहां 2.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। गंगा के फाफामऊ में जलस्तर 81.90 मीटर रहा, जिसमें 11 सेंटीमीटर की कमी आई है। यहां 12.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। छतनाग में गंगा का जलस्तर 80.96 मीटर रहा, जो 24 घंटे में 34 सेंटीमीटर नीचे आया है। वहीं रळढ बक्शी बांध पर जलस्तर 81.57 मीटर दर्ज किया गया, जिसमें 30 सेंटीमीटर की कमी हुई है। गंगा-यमुना का जलस्तर घटने के बावजूद प्रयागराज के कुछ प्रमुख इलाके और धार्मिक स्थल अभी भी पानी में डूबे हुए हैं। रिवर फ्रंट रोड, नागवासुकी मंदिर, दारागंज घाट और श्री लेटे हनुमान मंदिर में अभी भी बाढ़ का पानी मौजूद है। नदियों का जलस्तर धीरे-धीरे कम हो रहा है, लेकिन कई जगह यह अभी भी 80 मीटर से ऊपर बना हुआ है। फिलहाल प्रयागराज में बाढ़ की स्थिति नहीं है और दोनों नदियों का जलस्तर 84.734 मीटर के खतरे के निशान से नीचे है। जलस्तर में लगातार हो रही कमी से निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को भी राहत मिली है। हालांकि, पानी पूरी तरह उतरने में अभी समय लग सकता है ।हालांकि, गंगा-यमुना का जलस्तर अब धीरे-धीरे नीचे उतरने लगा हैमंगलवार सुबह 8 बजे जारी रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नदियों के जलस्तर में पिछले 24 घंटे में गिरावट दर्ज की गई है।

विवाहिता का फांसी के फंदे पर लटकता मिला शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में सोमवार शाम एक विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह घर की पहली मंजिल पर बने कमरे में फंदे से लटकी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार शाम करीब सात बजे डायल-112 पर सूचना मिली थी। मृतका की पहचान बुशरा बेगम (22) पत्नी मोहम्मद फरजान के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बलिया जिले के अखोप गांव की रहने वाली थी। बुशरा की शादी करीब दो साल पहले हुई थी। उसका आठ माह का एक बेटा भी है ।प्रारंभिक जांच में घरेलू कलह की बात सामने आ रही है, हालांकि आत्महत्या के पीछे के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है पुलिस ने घटना की जानकारी मायके वालों को दे दी है, जो बिहार के अररिया जिले के फारबिसगंज के रहने वाले हैं। चौकी इंचार्ज विनोद सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई की जा रही है। मायके वालों के आने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा, जिसके बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी।

रामगंगा-नदी खतरे के निशान से ऊपर

19 सेमी ऊपर बह रही, गांवों में घुसा पानी; बाइक नाव पर रखकर सड़क पार कर रहे ग्रामीण

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर ,रामगंगा और बहगुल नदी का जलस्तर खतरे के निशान के आसपास पहुंचने से बाढ़ का संकट बढ़ गया है। रामगंगा नदी खतरे के निशान से 19 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है, जबकि गंगा 25 सेंटीमीटर नीचे है। परशुरामपुरी तहसील के करीब एक दर्जन गांव बाढ़ की चपेट में हैं। गांवों को जोड़ने वाली सड़कों पर पानी भर जाने से लोगों का आवागमन प्रभावित हो गया है। कई जगह प्रशासन ने नावें लगाई हैं, लेकिन कुछ इलाकों में अभी भी ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही है। हालात ऐसे हैं कि लोग अपनी बाइक नाव पर रखकर पानी पार करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों में पानी भरने से हजारों हेक्टेयर फसल खराब हो गई है। परशुरामपुरी क्षेत्र के तिकोला तालुका दुलवामई में बाढ़ का पानी सड़क पर बह रहा है। यहां से करीब 300 मीटर दूर थाथरमई समेत दूसरे गांवों को जोड़ने वाली सड़क भी जलमग्न है। थाथरमई जाने वाले लोगों के लिए सड़क से निकलना मुश्किल हो गया था। इसके बाद प्रशासन ने लोगों को पार कराने के लिए नाव की व्यवस्था की। ग्रामीण बाइक समेत नाव पर सवार होकर सड़क पार कर रहे हैं। उनका कहना है कि पानी गांवों के अंदर तक पहुंच गया है। घरों और खेतों तक जाने में भी दिक्कत हो रही है। कुछ ग्रामीणों ने व्यवस्थाओं को नाकाफी बताया है, जबकि कुछ गांवों में नाव पहुंचने से लोगों को राहत मिली है। फसलें डूबीं, हजारों हेक्टेयर जमीन पर नुकसान बाढ़ के पानी ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में पानी भरने से फसलें खराब हो रही हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, कई हजार हेक्टेयर में खड़ी फसल बर्बाद हो चुकी है। गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली सड़कें भी पानी में डूबी हैं, जिससे रोजमर्रा के काम के लिए निकलना मुश्किल हो गया है।

एसडीएम ने अधिवक्ताओं को चैंबर से भगाया

अधिवक्ता बोले- एसडीएम ने पुलिस से लाठी चलाने को कहा, कार्रवाई की मांग पर अड़े वकील

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर ,सदर तहसील में मंगलवार दोपहर करीब एक बजे अधिवक्ताओं और एसडीएम सदर के बीच विवाद हो गया। कुछ वकील अपनी समस्याएं बताने एसडीएम के दफ्तर पहुंचे थे। अधिवक्ताओं का आरोप है कि एसडीएम ने उन्हें अपने चैंबर से भगा दिया। उन्होंने एसडीएम पर कार्रवाई की मांग की है। इस दौरान पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया। वकीलों का यह भी आरोप है कि एसडीएम ने पुलिस से उन पर लाठी चलाने को कहा। यह घटना तब हुई जब एसडीएम सदर अपने दफ्तर में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। उसी दौरान कुछ वकील अपनी शिकायतें लेकर उनसे मिलने पहुंचे। समस्याओं को लेकर वकीलों और एसडीएम के बीच बहस शुरू हो गई। वकीलों का आरोप है कि एसडीएम ने उन्हें चैंबर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो एसडीएम ने कथित तौर पर पुलिस से वकीलों पर लाठी चलाने को कहा। वकीलों का कहना है कि एसडीएम समस्याओं को सुनने के लिए हैं, यह उनका निजी चैंबर नहीं है।

बदतमीजी करने का ऑडियो वायरल हुआ था

इस घटना के बाद वकील इकट्ठा हो गए और एसडीएम पर कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं। वहीं, एसडीएम भी अधिवक्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, एसडीएम ने मीडिया से बात करने से इनकार कर दिया। अधिवक्ता रजजन बाबू मिश्रा ने बताया कि कुछ वकील एसडीएम सदर से मिलने उनके चैंबर में गए थे। एसडीएम ने उनके साथ बदतमीजी की और उन्हें चैंबर से बाहर जाने को कहा ।मिश्रा ने कहा कि यह चैंबर एसडीएम का निजी नहीं है।

संक्षेप

बाइक से पीछा किया, रास्ते में छीना लॉकेट-पस

मायके से ससुराल जा रही थी महिला, सीसीटीवी की मदद से आरोपी गिरफ्तार, बाइक भी बरामद

रायबरेली ,जगतपुर में मायके से ससुराल जा रही महिला से हुई लूट का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया।6 सितंबर की शाम विश्वनाथगंज तिराहे से गदागंज रोड पर बाइक सवार दो युवकों ने महिला का लॉकेट और पर्स छीन लिया था। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के जरिए आरोपियों की पहचान की। 7 सितंबर को दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पास से लूटा गया सामान और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद हुई है। पीड़िता मनोजा 6 सितंबर की शाम करीब 7 बजे अपने मायके से गदागंज स्थित ससुराल जा रही थीं। वह विश्वनाथगंज तिराहे से गदागंज रोड पर पहुंची थीं, तभी काले रंग की टीवीएस स्पोर्ट बाइक पर सवार दो युवकों ने उनका लॉकेट और पर्स छीन लिया। वारदात के बाद दोनों बाइक से फरार हो गए। महिला की शिकायत पर जगतपुर थाने में केस दर्ज किया गया। सीसीटीवी फुटेज से खुला रास्ता, तकनीकी जांच में मिली पहचान लूट की सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे उऊळश कैमरों की फुटेज जुटाई। फुटेज में संदिग्ध बाइक और युवकों की गतिविधियों की जांच की गई। इसके साथ तकनीकी स्तर पर भी जानकारी जुटाई गई। इन दोनों माध्यमों से पुलिस आरोपियों की पहचान तक पहुंच गई।अगले दिन दोनों आरोपी गिरफ्तार, सामान और बाइक मिल पुलिस ने 7 सितंबर को चांदमऊ निवासी अभिषेक सिंह और सराय श्रीबख्श निवासी सुशील सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, उनके कब्जे से महिला का एक लॉकेट और पर्स बरामद हुआ। वारदात में इस्तेमाल टीवीएस स्पोर्ट बाइक भी जब्त की गई है। बाइक का नंबर वढ33उफ1870 बताया गया है। रढ के निर्देश पर टीम ने की कार्रवाई, कोर्ट भेजे गए आरोपीपुलिस अधीक्षक रवि कुमार के निर्देश पर हुई कार्रवाई में जगतपुर थानाध्यक्ष वागीश मिश्रा, उपनिरीक्षक जयनाथ सिंह, कांस्टेबल सौरभ लोहिया, हरेन्द्र कुमार और संतोष यादव शामिल रहे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

ट्रक की टक्कर से पिता की मौत, बेटा घायल

रायबरेली ,लखनऊ-प्रयागराज हाईवे पर चुरुवा गांव के पास एक कार खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में कार सवार पिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया।पिता-पुत्र लखनऊ के एसजीपीजीआई अस्पताल से इलाज करवाकर घर लौट रहे थे। यह घटना सोमवार की देर रात करीब 12:30 बजे हुई। लखनऊ-प्रयागराज हाईवे पर टोल प्लाजा के पास एक ट्रक सड़क किनारे खड़ा था, जिससे कार टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। बछरावां के सुंदर नगर, लालगंज रोड निवासी विनय मिश्रा अपने पिता राधेश्याम मिश्रा (लगभग 60 वर्ष) को एसजीपीजीआई अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद घर वापस ला रहे थे। चुरुवा गांव के पास उनकी कार खड़े ट्रक से टकरा गई।टक्कर के बाद कार में पिता-पुत्र फंस गए। पुलिस को सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची और काफी कोशिश के बाद दोनों को कार से बाहर निकाला। राधेश्याम मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई थी।घायल विनय मिश्रा को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

एक लाख का इनामिया हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त मुठभेड़ में हुआ गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर।जनपद के हथगांव थाना पुलिस प्रशासन ने 100000 रुपए के इनामियां हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त को मुठभेड़ करते हुए ढेर किया मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के पट्टी शाह गांव निवासी 26 वर्षीय हिस्ट्री सीटर अभियुक्त रियाज कुरेशी पुत्र जमील कुरैशी काफी दिनों से फरार चल रहा था प्रशासन ने घेराबंदी करते हुए गिरफ्तार करने का प्रयास किया जहां अपने बचाव में अभियुक्त ने गोली चला दी बचाओ करते हुए प्रशासन ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया वही अभियुक्त के बाएं पैर में गोली मारकर उसे घायल कर दिया अभियुक्त के साथ अन्य अभियुक्त 22 वर्षीय शंकर पुत्र कल्लू साहू निवासी पट्टी शाह 35 वर्षीय रेहान उर्फ छोटू पुत्र इस्माइल निवासी बाकरगंज थाना कोतवाली फतेहपुर तथा 38 वर्षीय हनीफ पुत्र अब्दुल रज्जाक निवासी पीरनपुर थाना कोतवाली फतेहपुर को भी घेराबंदी करते हुए प्रशासन ने गिरफ्तार किया प्रशासन ने बताया घायल अभियुक्त के ऊपर एक लाख रुपए का पुरस्कार रखा गया था वही अभियुक्त लोगों के कब्जे से तलाशी लेने पर 315 बोर के दो देशी तमंचे दो खोखा कारतूस तथा एक चोरी की बाइक मौजूद मिली वही अभियुक्तो के पास घटना में उपयोग की गई एक अन्य मोटरसाइकिल एक लोहे की चापड़ दो चाकू लकड़ी का एक ठीहा तिरपल तीन रस्सी डोरी एक पैकेट काली प्लास्टिक की पॉलिथीन बरामद हुआ पुलिस प्रशासन ने घायल को तत्काल उपचार हेतु सदर अस्पताल भेजा वही सभी अभियुक्तों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए जेल भेज दिया थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया की स्वयं थाना प्रभारी आलोक कुमार तिवारी विगत दिवस सोमवार देर शाम गस्त पर जा रहे थे वही मुखबिर द्वारा मिली सटीक सूचना के आधार पर पट्टी शाह गांव के समीप धोबी तालाब के किनारे अभियुक्तों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया जनपद के पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने इस सराहनीय कार्य को देखते हुए पुलिस प्रशासन की पूरी टीम को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया तथा हार्दिक शुभकामनाएं दी

सड़क में पड़ा मिला युवक का शव मामला संदिग्ध

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर। जनपद के जहानाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत बसफरा गांव निवासी 35 वर्षीय दीनदयाल पुत्र छन्नू यादव का शव मार्ग के किनारे पड़ा मिला पुलिस प्रशासन को सूचना दी गई पहुंचे पुलिस प्रशासन ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था मिली जानकारी के अनुसार युवक दीनदयाल लगभग एक माह से गांव के बाहर था जो हाल ही में रविवार देर शाम जहानाबाद कस्बे पहुंचा वहीं लोगों ने बताया कि अमौली रोड स्थित एक शराब ठेके से शराब लेकर पास की ही एक दुकान पर दीनदयाल ने शराब पिया वही शराब पीते हुए दीनदयाल ने बताया कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है तथा उसके हाथ पैर बिल्कुल काम नहीं कर रहे हैं वहीं कुछ समय पश्चात रात लगभग 10:30 बजे दीनदयाल का शव सड़क के किनारे पड़ा मेला ड्यूटी पर मौजूद प्रशासनिक कर्मियों ने यह सूचना जहानाबाद थाना प्रभारी योगेश कुमार को दी जहां मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी ने युवक को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जहानाबाद उपचार हेतु भेजा परंतु डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया यह जानकारी जैसे ही परिजनों को मिली तो घर में हाहाकार मच गया वहीं मौके पर आए परिजनों ने बताया कि दीनदयाल अपनी आठ बहनों में अकेला भाई था वही जानकारी लेने पर थाना प्रभारी ने बताया कि मामला संदिग्ध है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पश्चात अग्रिम कार्यवाही की जाएगी

नरैनी चौराहे से हुई चोरी का हुआ खुलासा माल समेत महिला चोर गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के किशनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत विगत लगभग चार माह पहले नरैनी चौराहे की एक दुकान से हुई चोरी का खुलासा प्रशासन ने किया मिली जानकारी के अनुसार लगभग चार माह पहले खागा थाना क्षेत्र के मोंसाई महिचा निवासिनी पूनम देवी चौराहे के समीप एक दुकान पर नाश्ता करते हुए अपना बैग तथा समान भूल गई थी जिसे एक महिला लेकर फरार हो गई पीड़िता ने नजदीकी थाने में लिखित तहरीर प्रस्तुत की थी जहां पुलिस प्रशासन ने सुराग लगाते हुए 4 महीने बाद मोबाइल के माध्यम से एक महिला चंद्रावती निवासी मिहिवापुर मजरे रायपुर भरसौल को गिरफ्तार किया थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि महिला के पास चोरी में गई 250 ग्राम चांदी की पेटी तथा एक मोबाइल बरामद हुआ गिरफ्तार की गई महिला के ऊपर विधिक कारवाई की गई

बुजुर्गों से चले आ रहे कारोबार को लगा चूना न्यायालय के आदेश पर दुकान खाली कराने पहुंचा प्रशासन

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर , जनपद के जहानाबाद कस्बे के राजघराने आरबी आद्याशरण सिंह कर्ता जीतेंद्र प्रताप सिंह बनाम रीना गुप्ता तथा आनंद गुप्ता के किराएदारी का विवाद काफी वर्षों से न्यायालय पर विचाराधीन था जहां एक पक्षीय निर्णय होने के पश्चात न्यायालय के आदेश पर तहसीलदार बिंदकी शैल कुमारी की अगुवाई में नायब तहसीलदार सुरेश चंद्र गौतम क्षेत्रीय लेखपाल बृजेंद्र प्रताप सिंह लेखपाल अभय सिंह शिवम कुमार क्षेत्रीय अमीन राजेंद्र प्रसाद तिवारी तथा जहानाबाद थाना प्रभारी योगेश कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे कार्यवाही के लिए जहानाबाद थाना प्रशासन के साथ-साथ अन्य क्षेत्रीय जैसे थाना बकेवर तथा कल्याणपुर थाना प्रशासन का पुलिस बल भी पहुंचा पहुंची टीम ने दुकानों को खाली कराने के आदेश को लेकर कार्रवाई प्रारंभ की जहां दुकानदारों ने प्रशासनिक टीम के पहुंचते ही दुकान खाली करने का विरोध भी किया दुकानदारों ने प्रशासन से वातालाप करते हुए बताया कि उनकी पिछली पीढ़ियां इसी जमीन पर कारोबार करते हुए दुकान तथा मकान बनाकर जीवन यापन करती रही आज वर्षों बाद उन्हें घर से बेघर किया जा रहा है ऐसी स्थिति पर सभी दुकानदारों का कारोबार ही नहीं बल्कि सभी दुकानदार अर्श से फर्श पर आ जाएंगे दुकानदारों की वातार्लाप को सुनकर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी दुकानदारों को बताया कि न्यायालय के आदेश के बाद ही यह कार्रवाई की गई है वही तत्काल दुकानों को खाली करने आए अधिकारियों ने रहम करते हुए सभी दुकानदारों को दुकान खाली करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया वहीं अधिकारियों ने बताया कि यदि एक सप्ताह के अंदर दुकान खाली नहीं हुई तो सभी कब्जा धारकों के ऊपर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी

अवैध खनन करने वालों पर गिरी गाज प्रशासन ने जेसीबी समेत चार ट्रैक्टरों पर की कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर , जनपद के जहानाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव जवाहरपुर में निरंतर मिल रही अवैध खनन की सूचना पर पुलिस प्रशासन को लेकर राजस्व विभाग की टीम ने विगत दिवस सोमवार देर रात्रि छापेमारी की अचानक हुई छापेमारी से खनन करते चालक मौके से भाग खड़े हुए वहीं छापेमारी पर पहुंचे नायब तहसीलदार राहुल कुमार उप निरीक्षक मनोज कुमार आदि ने मौके के निरीक्षण पर चार ट्रैक्टर समेत एक जेसीबी पाया कब्जे में लेकर नायब तहसीलदार ने थाना जहानाबाद को सभी गाड़ियां सुपुर्द किया यह जानकारी जैसे ही क्षेत्र के अन्य अवैध खनन करने वालों को मिली तो वह पहले से ही सतर्क हो गए वहीं नायब तहसीलदार ने बताया कि कब्जे में लिए गए चार ट्रैक्टर तथा एक जेसीबी पर कार्रवाई की गई

सीमेंट से लदी मालगाड़ी पटरी से उतरी

यार्ड में मची अफरातफरी; 7 घंटे बाद रवाना हुई, डीआरएम ने जायजा लिया

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर, जंक्शन पर देर रात सीमेंट से लदी मालगाड़ी पटरी से उतर गई। यह घटना जंक्शन के लाइन नंबर 8 के पश्चिमी यार्ड में करीब 1 बजे हुआ। देर रात मालगाड़ी की तीन बोगियां अचानक पटरी से उतर जाने से मौके पर मौजूद रेलवे कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। इसके बाद रेलवे की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने का काम शुरू किया। सीमेंट की बोरियां लेकर जा रही थी मालगाड़ी बताया गया कि यह मालगाड़ी मध्यप्रदेश से बिहार के नारायणपुर अनंत रेलवे स्टेशन जा रही थी। मालगाड़ी में सीमेंट की बोरियां लदी हुई थीं। इसी दौरान गोरखपुर जंक्शन के पश्चिमी यार्ड में इसकी तीन बोगियां पटरी से नीचे उतर गईं। हादसे के बाद रेलवे कर्मचारियों ने सबसे पहले पटरी से उतरी बोगियों को मालगाड़ी से अलग करने की कार्रवाई शुरू की, ताकि बाकी मालगाड़ी को सुरक्षित तरीके से आगे भेजा जा सके। सुबह 8:10 बजे हटाई गईं तीनों बोगियां रेलवे प्रशासन की टीम ने कई घंटे की कार्रवाई के बाद मंगलवार की सुबह करीब 8:10 बजे पटरी से उतरी तीनों बोगियों को हटाया। इसके बाद मालगाड़ी को रीरेल कर आगे के लिए रवाना कर दिया गया। रेलवे की ओर से घटना के बाद मौके पर जरूरी जांच और तकनीकी कार्रवाई भी की गई। डीआरएम भी पहुंचे घटनास्थल घटना की जानकारी मिलने के बाद डीआरएम भी मंगलवार की सुबह घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौके का निरीक्षण किया और अधिकारियों से घटना के बारे में जानकारी ली। फिलहाल मालगाड़ी की तीन बोगियां पटरी से उतरने की असली वजह सामने नहीं आई है। जांच में जुटी रेलवे प्रशासन हादसा पश्चिमी यार्ड में होने के कारण रेलवे प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पटरी से उतरी बोगियों को अलग कर दिया। इसके बाद मालगाड़ी को सुरक्षित तरीके से आगे भेज दिया गया। फिलहाल घटना में किसी जनहानि की जानकारी नहीं है। रेलवे प्रशासन की टीम घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। तकनीकी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि आखिर किन कारणों से मालगाड़ी की बोगियां पटरी से उतरीं।

महिला सिपाही का फेसबुक पर फोटो-नंबर वायरल

डयूटी पर आती है गंदी कॉल, कॉलर अश्लील मैसेज-वीडियो भेजते हैं

अमन लेखनी समाचार

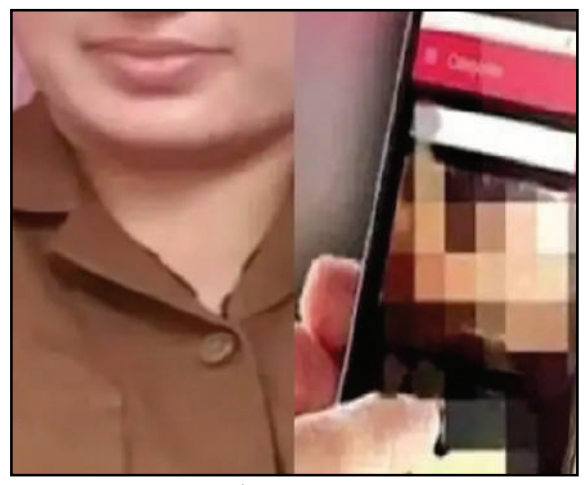

गोरखपुर ,अपराधियों पर लगाम लगाने वाली पुलिस को भी बदमाश निशाना बनाने लगे हैं। शहर के एक थाने पर तैनात महिला सिपाही का अश्लील फोटो के साथ नंबर फेसबुक पर वायरल किया जा रहा है। इससे थाने में तैनात महिला पुलिसकर्मी के पास डयूटी के दौरान दिनभर अंजान नंबरों से कॉल आ रही है। कॉल करने वाले अश्लील बातें करते हैं। साथ ही व्हाट्सएप पर अश्लील मैसेज और आपत्तिजनक फोटो भी भेजी जा रही है। इससे परेशान महिला पुलिसकर्मी ने मोबाइल बंद कर लिया। वह इस घटना से मानसिक रूप से परेशान हो गई है। महिला पुलिसकर्मी की तहरीर पर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में पुलिस ने सोमवार को कुछ लोगों से पूछताछ भी की है।

17 अगस्त से आ रही कॉल

मूल रूप से बलिया जिले की रहने वाली 26 साल की युवती शहर के एक थाने में महिला आरक्षी के रूप में तैनात है। महिला सिपाही ने तहरीर देकर बताया कि 17 अगस्त 2026 को वह थाने पर सरकारी कार्य कर रही थी। तभी फोन पर लगातार अंजान कॉल आने लगी। कुछ देर बाद अलग-अलग नंबरों से व्हाट्सएप पर अश्लील मैसेज और आपत्तिजनक फोटो भेजे जाने लगे। इससे वह मानसिक रूप से परेशान हो गईं। एक कॉलर ने बताया फेसबुक का खेल जब एक अनजान कॉलर से सख्ती से पूछा तो उसने बताया कि फेसबुक पर एक आईडी बनी हुई है। उस आईडी पर अश्लील वीडियो और फोटो के साथ महिला सिपाही का मोबाइल नंबर वायरल किया जा रहा है। पोस्ट में लोगों को अश्लील बात करने के लिए कॉल करने को उकसाया जा रहा है। इसी वजह से बहुत से अनजान लोग लगातार कॉल और मैसेज कर रहे हैं। मानसिक उत्पीड़न से परेशान महिला सिपाही ने थाना प्रभारी को तहरीर दी। तहरीर के आधार पर 3 सितंबर 2026 को ऋकफ दर्ज की गई। इसकी जांच थाने के ही एक दरोगा को सौंपी गई है। पुलिस ने फेक फेसबुक आईडी के खिलाफ संबंधित आईटी एक्ट और बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश में जुटी टीम पुलिस टीम फर्जी प्रोफाइल की आईडी, वफछ और उससे जुड़े मोबाइल नंबरों की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को ट्रेस कर गिरफ्तार किया जाएगा। सूत्रों की माने तो सोमवार को कुछ लोगों से पूछताछ हुई है। इस मामले में सिपाही के पटीदारों का ही हाथ है। बताया जा रहा है कि जमीनी विवाद में पटीदार ने ही महिला सिपाही का अश्लील फोटो और नंबर फेसबुक पर अपलोड किया है। फिलहाल पुलिस हर पहलुओं की बारिकी से जांच कर रही है।

लड़की से गैंगरेप के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

ननिहाल आई थी नाबालिग; नवादा मोड़ से भागने की कोशिश करते पकड़े गए

अमन लेखनी समाचार

देवरिया , 15 साल की लड़की से गैंगरेप के आरोप में पुलिस ने मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे दो युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, घटना सोमवार देर शाम की है। लड़की अपने ननिहाल आई हुई थी। घर पहुंचने के बाद उसने परिवार के लोगों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद मंगलवार सुबह खामपार थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया गया। मामला खामपार थाना क्षेत्र का है। केस दर्ज होने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू पुलिस के अनुसार, मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 70(2), 352 और 351(3) के साथ पॉक्सो एक्ट की धारा 56 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की और उनकी लोकेशन के बारे में जानकारी जुटाई।

सर्राफा व्यापारी से रंगदारी वसूलने वाले 2 सिपाही गिरफ्तार

गिरफ्तार कर जेल भेजे गए, 2 लाख रुपए लेने के बाद छुट्टी लेकर हो गये थे फरार

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर,सर्राफा व्यापारी को स्मैक तस्कर बताकर दो लाख रुपए की रंगदारी वसूलने के मामले में पुलिस ने दो सिपाहियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को बरेली की एंटी करप्शन कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। वहीं, मामले में फरार चल रहे दो अन्य सिपाहियों की तलाश में पुलिस टीम दिल्ली पहुंची है। चारों आरोपी तिलहर थाने में तैनात थे। मामला 4 सितंबर की रात का है। आरोप है कि सिपाहियों ने परशुरामपुरी निवासी सराफा व्यापारी सुंदरम को पकड़ लिया था। उसे स्मैक तस्करी के मामले में फंसाने की धमकी देकर बिरियागंज चौकी में रखा गया। इसके बाद उससे दो लाख रुपए लिए गए। अगले दिन छूटने के बाद व्यापारी ने अधिकारियों से शिकायत की थी स्मैक तस्कर बताकर चौकी में रखा, फिर मांगे 2 लाखशिकायत मिलने के बाद एसपी सौरभ दीक्षित ने मामले की जांच कराई। जांच में व्यापारी के आरोप सही पाए गए। इसके बाद सोमवार शाम परशुरामपुरी थाने में तिलहर थाने के कांस्टेबल पंकज, वीरेंद्र, तुषार और अरुण के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वीरेंद्र और पंकज को सोमवार शाम ही गिरफ्तार कर लिया। दोनों को मंगलवार को बरेली की एंटी करप्शन कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

ऑडियो वायरल हुआ तो छुट्टी लेकर भागे 2 सिपाही

मामला सामने आने के बाद पीड़ित व्यापारी और उसके पिता के बीच पैसों को लेकर हुई बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। व्यापारी का बयान भी सामने आया। इससे चारों सिपाहियों पर लगे आरोप चर्चा में आ गए।

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का खुलासा, 2 अरेस्ट

14 बाइक बरामद, खाली प्लॉट में छिपाकर सस्ते में बेचते थे

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर , नोएडा की बादलपुर थाना पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की 13 मोटरसाइकिल, एक स्कूटी और दो अवैध चाकू बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी पहले बाइक और स्कूटी की रेकी करते थे। इसके बाद मौका देखकर वाहन चोरी कर सुनसान खाली प्लॉट में छिपा देते थे। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शैलेंद्र सिंह ने मंगलवार को सूरजपुर में प्रेस वार्ता कर मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि गिरोह के बारे में गोपनीय सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जारचा निवासी सैफ अली और दादरी निवासी शादाब को गिरफ्तार कर लिया एक मैकेनिक, दूसरा कबाड़ खरीदता है पूछताछ में पुलिस को पता चला कि सैफ अली मैकेनिक का काम करता हैं।

जबकि शादाब कबाड़ खरीदने का काम करता है। दोनों वाहन चोरी करने के लिए पहले इलाके में घूमकर बाइक और स्कूटी की रेकी करते थे। वाहन पसंद आने के बाद मौका देखकर उसे चोरी कर लेते थे। पुलिस के अनुसार चोरी किए गए वाहनों को तत्काल बेचने के बजाय दोनों उन्हें सुनसान और खाली प्लॉट में छिपाकर रखते थे। इसके बाद राहगीरों को सस्ते दाम में वाहन बेच देते थे। चोरी के वाहनों से मिलने वाली रकम को दोनों आपस में बांट लेते थे।

सांप-सीढ़ी खेल के जरिए समुदाय को डायरिया रोकथाम की सीख

पीएसआई इंडिया ने आशा कार्यकताओं के लिए तैयार किया विशेष पोस्टर

डॉ. अंजली ने कहा- पतली दस्त आने पर बच्चे को दें ओआरएस का घोल

अमन लेखनी समाचार

फरुर्खाबाद, 09 सितंबर बारिश और उमस के इस बदलते मौसम में बच्चों के स्वास्थ्य का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है ऐसे मौसम में जरा सी लापरवाही बरतने पर बच्चे डायरिया समेत अन्य संक्रामक बीमारियों की चपेट में आसानी से आ सकते हैं यह बातें नगरीय स्वास्थ्य केंद्र साहबगंज की चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंजली गोस्वामी ने मंगलवार को आशा कार्यकताओं को पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) द्वारा डायरिया नियंत्रण व रोकथाम के लिए तैयार किए सांप-सीढ़ी खेल के पोस्टर प्रदान करते हुए कहीं डॉ. अंजली ने कहा कि बच्चे को दिन में दो से तीन बार पानी जैसी पतली दस्त आए तो आशा कार्यकर्ता द्वारा दी जाने वाली जिंक की गोली और ओआरएस का सेवन बच्चे को बताई गयी मात्रा के अनुसार ही कराएं ताकि बच्चे के शरीर में पानी की कमी न होने पाए इसके साथ ही नजदीकी आशा कार्यकर्ता या स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करना चाहिए यह डायरिया नियंत्रण और रोकथाम के लिए यह बहुत जरूरी है उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय स्तर पर आशा कार्यकताओं द्वारा आयोजित की जाने वाली बैठकों के दौरान सांप-सीढ़ी के खेल के माध्यम से जनसमुदाय को डायरिया के प्रति आसानी से जागरूक किया जा सकेगा। इस मौके पर आशा कार्यकताओं ने डायरिया की रोकथाम में पूरा सहयोग देने की शपथ ली बैठक में पीएसआई इंडिया के अनुपम मिश्र, गावी से अरफत अंसारी, लैब टैक्नीशियन आदर्श सहित अन्य लोग मौजूद रहे

राबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास के अभियोग में वांछित/प्रकाश में आये 03 अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा के कुशल पर्यवेक्षण में थाना राबर्ट्सगंज पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। थाना राबर्ट्सगंज पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 743/2026, धारा 109(1), 191(2), 115(2), 352, 351(3) बीएनएस से सम्बन्धित 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।घटना दिनांक 04.09.2026 को ग्राम करौली, थाना राबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र में अभियुक्तगण द्वारा एक राय होकर वादी पक्ष के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की गयी तथा जान से मारने की धमकी दी गयी। घटना के सम्बन्ध में थाना राबर्ट्सगंज पर दिनांक 05.09.2026 को उपरोक्त धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। उक्त अभियोग में वांछित/प्रकाश में आये अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे थे।इसी क्रम में आज दिनांक 07.09.2026 को समय 12:50 बजे पुलिस टीम द्वारा गोरारी मोड़, दुर्गा जी मंदिर के पास से तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया।

श्रीमद् भागवत कथा उपरांत हुआ विशाल भंडारा

विधायक पुत्र राहुल राजपूत ने टेका माथा

अमन लेखनी समाचार

गुरसरांय(झांसी)- नगर के प्रसिद्ध एवं आस्था के केंद्र तालाब माता मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के समापन के उपरांत विशाल भंडारे एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।इस धार्मिक अनुष्ठान में आए श्रद्धालुओं ने कथा की पूणार्हुति के बाद महाप्रसाद ग्रहण किया।कथा विश्राम दिवस पर पूणार्हुति एवं हवन-पूजन के पश्चात विशाल भंडारे का शुभारंभ हुआ।माता रानी के जयकारों और धार्मिक भजनों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गरौठा विधायक पुत्र राहुल राजपूत ने शिरकत की। मंदिर परिसर पहुँचने पर आयोजकों एवं स्थानीय नागरिकों ने उनका भव्य स्वागत किया। राहुल राजपूत ने तालाब माता मंदिर में शीश नवाकर क्षेत्र की सुख,शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। इस अवसर पर राहुल राजपूत ने कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों से समाज में आपसी सद्भाव,भाईचारा और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने इस सफल एवं अनुकरणीय आयोजन के लिए आयोजन समिति की सराहना की।भंडारे में देर शाम तक महिलाओं,बुजुर्गों और बच्चों ने पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने में राष्ट्रीय मानव अधिकार की अध्यक्ष शकुन घोष,रमा बहिन जी,संतोषी,विनीता मिश्रा,सोनम स्वर्णकार,मालती गुप्ता,पार्वती,कविता शर्मा,संगीता,रामदेवी,उमा,नीलम,विमला,गुड्डी,मीडिया प्रभारी रागनी परिहार,विनोद स्वामी,धर्मेंद्र स्वर्णकार बल्ले ,बल्लू महाराज ,विनीता,प्रीति,स्वणका,रजनी,शीतला मोदी,कमला यादव,संध्या ,पार्वती यादव,रामकुमारी यादव,वंदना,कमला तिवारी,सरोज,कमला,शिमला तिवारी,अर्चना,आशाराम सहित सैकड़ों की संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खास समाचार

मुलुंड में धूमधाम से मनाया गया दही हांडी उत्सव

भोजपुरी और मराठी गीतों से गूंजा आर.आर.टी. रोड, गोविंदा पथकों ने दी दही हांडी को सलामी

अमन लेखनी समाचार

मुंबई। मुलुंड के आर.आर.टी. रोड स्थित रतनबाई स्कूल के सामने सुरेश दादा बारकू पाटिल प्रतिष्ठान द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य दही हांडी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती सुनंदा सुरेश पाटिल एवं कौशिक पाटील के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों एवं गोविंदा पथकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दही हांडी उत्सव के दौरान परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। भोजपुरी एवं मराठी गीतों ने कार्यक्रम में रंगारंग माहौल बना दिया। ढोल-ताशों और संगीत की गूंज के बीच गोविंदा पथकों ने जोश के साथ दही हांडी को सलामी दी। कार्यक्रम में कन्हैयालाल गुप्ता जी, मनोज सिंह (एनर्जी बूस्टर), ओमप्रकाश जैसवार, वीर बहादुर जैसवार, गिरीश मल्लाह, भूषण सोनवणे, पत्रकार संतोष जैसवार, बी.जी. जगदने, ओमप्रकाश सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। आयोजकों की ओर से सभी गोविंदा पथकों, अतिथियों और नागरिकों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान भाईचारे, उत्साह और उत्सव का माहौल बना रहा।

02 दिवसीय विशेष अभियान में 90 वारण्टी एवं 05 वांछित समेत कुल 95 अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में मा0 न्यायालय द्वारा निर्गत वारण्टों के शत-प्रतिशत अनुपालन एवं वारण्टी/वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में 02 दिवसीय विशेष अभियान (दिनांक 06.09.2026 व 07.09.2026) चलाया गया। अभियान के दौरान जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों की पुलिस टीमों द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए विभिन्न मुकदमों में मा0 न्यायालय से निर्गत वारण्टों के आधार पर कुल 90 वारण्टी अभियुक्तों तथा 05 वांछित अभियुक्तों सहित कुल 95 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए उन्हें मा0 न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

मोटराइज्ड ट्राई साइकिल मिली तो छलक पड़े खुशी के आंसू, दिव्यांगजनों ने जताया शासन-प्रशासन का आभार

जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने संवेदनशीलता के साथ सुनी समस्या, तत्काल कराया समाधान।

आवागमन की मुश्किल हुई आसान, अब आत्मनिर्भर होकर कर सकेंगे दैनिक कार्य।

अजय प्रताप सिंह की पढ़ाई का रास्ता हुआ सुगम, नियमित कॉलेज जाने में मिलेगी सुविधा।

एनटीपीसी के सीएसआर फंड से उपलब्ध कराई गई मोटराइज्ड ट्राई साइकिल

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनसुनवाई के दौरान अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे दिव्यांगजनों के लिए सोमवार का दिन उस समय यादगार बन गया, जब उनकी आवागमन की समस्या का तत्काल समाधान करते हुए उन्हें मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई। मोटराइज्ड ट्राई साइकिल मिलने पर दोनों दिव्यांगजनों की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े। उन्होंने शासन एवं जिला प्रशासन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए आभार जताया। जनसुनवाई के दौरान अनपरा निवासी दिव्यांग असगर हुसैन पुत्र तबाम मालू हुसैन जिलाधिकारी महोदय के समक्ष उपस्थित हुए। उन्होंने बताया कि वे दोनों पैरों से दिव्यांग हैं और आने-जाने में उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध होने से वे अपने दैनिक कार्यों को अधिक सुगमता से कर सकेंगे तथा दूसरों पर उनकी निर्भरता भी कम होगी। इसी प्रकार अजय प्रताप सिंह पुत्र लाल बहादुर सिंह, निवासी ग्राम भैंसवार, तहसील घोरावल ने जिलाधिकारी सोनभद्र को बताया कि उन्होंने कृष्णा पी.जी. कॉलेज, राजगढ़, मिजार्पुर में प्रवेश लिया है। उनका कॉलेज घर से लगभग 15 किलोमीटर दूर है। आवागमन का साधन उपलब्ध न होने के कारण उन्हें कॉलेज आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, जिससे वे नियमित रूप से कॉलेज जाकर अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। दोनों दिव्यांगजनों की समस्याओं को जिलाधिकारी द्वारा गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ संज्ञान में लिया गया। आवश्यक कार्रवाई करते हुए दोनों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई।

निवेश की नई उड़ान भरेगा सोनभद्र, जी0बी0सी0 5.0 में रुपए 20 हजार करोड़ का लक्ष्य

रूपया 14,612 करोड़ के निवेश प्रस्तावों के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ा जनपद 33 परियोजनाओं से लगभग 4,068 लोगों को रोजगार।

शेष रूपया 5,388 करोड़ के निवेश प्रस्तावों के लिए विभागवार लक्ष्य तय, पर्यटन से स्वास्थ्य एवं डेयरी तक खुलेंगे निवेश के नए द्वार।

निवेश प्रस्तावों को तेजी से धरातल पर उतारें, उद्योगों के साथ बढ़ेंगे रोजगार के अवसर- जिलाधिकारी।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।जनपद को निवेश, उद्योग और रोजगार के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अंतर्गत ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जी0बी0सी0) 5.0 को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में निवेश प्रस्तावों की प्रगति की समीक्षा करते हुए शेष लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विभागवार जिम्मेदारी तय की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि जी0बी0सी0 5.0 के लिए सोनभद्र को रूपया 20,000 करोड़ के निवेश प्रस्तावों का लक्ष्य दिया गया है। इसके सापेक्ष अब तक 33 परियोजनाओं के माध्यम से रूपया 14,612 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। इन परियोजनाओं से लगभग 4,068 लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। अब शेष रूपया 5,388 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाएगा। शेष लक्ष्य की पूर्ति के लिए जिलाधिकारी ने विभागवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए पर्यटन विभाग को रूपया 1,040 करोड़, प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित क्षेत्र को रूपया 1,000 करोड़, राइस मिल के लिए रूपया 200 करोड़, नई डेयरी इकाइयों की स्थापना के लिए रूपया 200 करोड़, पेट्रोल पम्प से संबंधित निवेश के लिए रूपया 500 करोड़, नए नर्सिंग होम एवं स्वास्थ्य संबंधी संस्थानों के लिए रूपया 500 करोड़ तथा आबकारी विभाग को रूपया 200 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने का लक्ष्य दिया। अन्य संबंधित विभागों को भी उनकी संभावनाओं के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित किए गए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि केवल एमओयू तक सीमित न रहकर निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने पर विशेष ध्यान दिया जाए। संभावित निवेशकों से निरंतर संवाद एवं समन्वय स्थापित कर निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप एमओयू हस्ताक्षर कराने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। निवेशकों को आवश्यक विभागीय सहयोग उपलब्ध कराते हुए प्रक्रियाओं को सुगम बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सोनभद्र में रूपया 20 हजार करोड़ के निवेश लक्ष्य की प्राप्ति जनपद के औद्योगिक विकास को नई गति देगी। नए उद्योग एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठान स्थापित होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होने के साथ युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किये है कि जिनके स्तर से निवेशकों को एन0ओ0सी0 जारी होती है या विभागों से लाभ प्राप्त किये है उन लाभार्थियों को निवेश सारथी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना सुनिश्चित करें। बैठक में उपायुक्त उद्योग विनोद कुमार चौधरी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अजय कुमार मिश्रा, पर्यटन अधिकारी राजेश भारती, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, उद्यमी मित्र नितिन प्रकाश सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर धोखाधड़ी, राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

गोरखपुर में दो अधिवक्ता साथियों की मृत्यु पर आक्रोश

संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने दोषियों पर कार्रवाई हेतु मुख्यमंत्री को लिखा पत्र।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।गोरखपुर में राप्ती नदी के घाट पर गुंबदनुमा छज्जा गिरने से दो अधिवक्ता साथियों की हुई दर्दनाक एवं असामयिक मृत्यु अत्यंत हृदयविदारक है। इस घटना से पूरा अधिवक्ता समाज मर्माहत होने के साथ-साथ आक्रोशित भी है। संयुक्त अधिवक्ता महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर गहरा दुःख एवं आक्रोश व्यक्त करते हुए प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन से मांग किया है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराकर घटना के लिए जिम्मेदार प्रत्येक व्यक्ति की जवाबदेही तय की जाए। और यदि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री, तकनीकी मानकों की अनदेखी, सुरक्षा व्यवस्था में कमी अथवा अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है तो जिम्मेदार अधिकारियों, कार्यदायी संस्था, ठेकेदार एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जानी जाए। साथ ही श्री मिश्र ने घटना के संदर्भ में जिम्मेदार अधिकारी द्वारा कथित रूप से ह्वरोज 10 मरते हैं, एक और मर गया तो क्याह्व जैसी संवेदनहीन टिप्पणी किए जाने की बात पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा है कि यह टिप्पणी वास्तव में अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। किसी भी अधिकारी के लिए किसी नागरिक की मृत्यु को इस प्रकार सामान्य अथवा आंकड़े के रूप में देखना स्वीकार्य नहीं हो सकता। हर मौत के पीछे एक परिवार, उसकी उम्मीदें और उसका पूरा संसार होता है। अतः इस कथित टिप्पणी की भी निष्पक्ष जांच कराकर यदि आरोप सत्य पाया जाता है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। संयुक्त अधिवक्ता महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र द्वारा इस संबंध में माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं प्रदेश के अन्य उच्चाधिकारियों को पत्र प्रेषित कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा दिवंगत अधिवक्ता साथियों के परिवारों को समुचित मुआवजा/आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की मांग की है। पत्र में श्री मिश्र ने लिखा है कि अधिवक्ता समाज की यह मांग केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है। हमारी प्राथमिक मांग है कि घटना की वास्तविक जिम्मेदारी निर्धारित हो, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। घटना के संबंध में महासंघ द्वारा पत्र में मुख्य रूप से मांग की गई है कि घटना की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। निर्माण की गुणवत्ता, तकनीकी स्वीकृति और सुरक्षा मानकों की जांच हो। दोषी अधिकारियों, ठेकेदारों एवं अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों की जवाबदेही तय कर कठोर कार्रवाई की जाए। कथित संवेदनहीन टिप्पणी की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाए।

सोनभद्र की अधिवक्ता बिंदू यादव सपा महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव मनोनीत

-डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के पदाधिकारियों ने किया स्वागत।

-रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित डीबीए सभागार में हुआ आयोजन।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।समाजवादी पार्टी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा राजभर बागी(भावना) ने 31 अगस्त 2026 को सोनभद्र की वरिष्ठ अधिवक्ता बिंदू यादव को सपा महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के पदाधिकारियों और महिला अधिवक्ताओं ने सोमवार को डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन की उपाध्यक्ष बिन्दू यादव एडवोकेट को समाजवादी पार्टी महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव बनाये जाने पर स्वागत समारोह का आयोजन किया। डिस्ट्रिक्ट बार भवन में डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह व पूर्व अध्यक्ष डीबीए जगजीवन सिंह ने पुष्प भेंट कर स्वागत किया और बधाई दिया। सोनांचल संघर्षवाहिनी के संयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता रोशनलाल यादव ने हर्ष जाहिर करते हुए बधाई दी। एडवोकेट पुष्पा तिग्गा, एडवोकेट सुशीला वर्मा, अधिवक्तागण चन्द्रावती जैसवार, पार्वती, आसमा, सोनी, अंजू ने माला पहनाकर स्वागत किया। डीबीए के पूर्व महामंत्री प्रदीप मौर्या, कामता यादव, राजेश यादव, सुरेश सिंह, दशरथ सिंह, राम जियावन सिंह यादव, चतुर्भुज शर्मा, अनिल यादव, राजदीप सिंह, सिरवंत यादव, धीरेन्द्र, और बबुनंदर सिंह ने पुष्प भेंट कर बिन्दू यादव एडवोकेट को बधाई दिया। बिंदू यादव एडवोकेट ने सभी का आभार जताया है।

सड़क निर्माण पर नहीं बनी सहमति, आज ढहऊ मुख्यालय कूच करेंगे

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। कमलापुर बिचलिखा माइनर से कुबहरा तक अधूरी सड़क निर्माण की मांग को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के बैनर तले कुबहरा सामुदायिक मिलन केंद्र पर चल रहा धरना मंगलवार को 21वें दिन भी जारी रहा इस दौरान उपजिलाधिकारी आकाश सिंह और किसानों के बीच हुई वार्ता बेनतीजा रही। वही किसानों का कहना है कि जिला पंचायत के अभिलेखों में वर्ष 2018 में सड़क का निर्माण दशार्ते हुए करीब 1.85 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका जबकि मौके पर सड़क बनी ही नहीं इस पर एसडीएम ने पैदल मौके का निरीक्षण किया जहां सड़क निर्माण नहीं मिला उन्होंने मामले की जांच कराने और जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पीडब्ल्यूडी वन विभाग जिला पंचायत तथा किसान प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक बुलाकर समाधान निकालने का आश्वासन दिया। हालांकि किसान आश्वासन से संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने कहा कि यदि बुधवार सुबह 10 बजे तक जिलाधिकारी के समक्ष सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ वार्ता नहीं हुई तो पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ लखनऊ स्थित पीडब्ल्यूडी प्रमुख अभियंता कार्यालय का घेराव किया जाएगा इसके बाद किसान नेताओं ने आसपास के कई गांवों में जनसंपर्क कर आंदोलन में शामिल होने की अपील की जिसे ग्रामीणों का समर्थन भी मिला।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक-
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक -
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

लोकधुन में बसा स्त्री का घर-संसार

हमारे सभी पर्वों में लोक जीवन है, इनकी बहुत ही मोहक संस्कृति है, जो हमें उल्लासित करती है। इस लोक संस्कृति को स्त्रियां सहेजती हैं, पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाती हैं। हरतालिका तीज जैसे लोक पर्व को भी बदलते समय के साथ स्त्री ने सहेजा है। बीते समय और आज के आधुनिक तकनीकी दौर में स्त्री ने बड़ी खूबसूरती से तादात्म्य बैठाकर तीज की मूल भावना सहेज रखी है।

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

भारत भूमि की सांस्कृतिक चेतना में त्योहार केवल उल्लास का अवसर नहीं, बल्कि परंपरा, संबंध और सामूहिक स्मृति को सहेजने का माध्यम भी रहे हैं। इन त्योहारों और परंपराओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी संजोने में स्त्री की महती भूमिका रही है। मेहनत के फलने-फूलने से लेकर जन्म, मुंडन, कर्णछेदन जैसे अनेक संस्कारों तक जीवन के विविध पड़ाव उत्सवों में निहित रहे हैं। उन्नीसवीं शताब्दी के परिप्रेक्ष्य में हरतालिका तीज को समझें तो सहज ही प्रश्न उठता है कि उस समय स्त्रियां तीज कैसे मनाती होंगी? उनके पास सुविधाएं कम और असुविधाएं अधिक थीं। फिर भी हर व्रत और त्योहार को वे ब्याह की पियरी या शादी के जोड़े में खुशी-खुशी मना लेती थीं। आलता से पांव ही नहीं, हाथ भी रंग लेती थीं। पति स्वस्थ रहे, सुहाग की उम्र बढ़े, परिवार जुड़ा रहे और पति का काम-रोजगार बढ़ता रहे, ऐसी कामनाएं उनके हर उपवास में निहित रहती थीं। यही कामनाएं धीरे-धीरे उनके जीवन के संकल्प और अभीष्ट का रूप ले लेती थीं। जब व्रती स्त्री अपनी कलाई में हल्दी में रंगा कच्चा सूत बांधती, तो वह धागा केवल धागा नहीं रह जाता था, वह विश्वास, समर्पण और संकल्प का प्रतीक बन जाता था। उस दौर में उत्सव मनाने के साधन कम थे, लेकिन उत्सव में प्रेम, आस्था और सामूहिकता की प्रगाढ़ता बहुत थी।

उन्नीसवीं सदी का सामाजिक परिवेशः उन्नीसवीं शताब्दी का भारत आज से बहुत अलग था। न हाईवे थे, न ही फ्लाईओवर। लोगों के पास मोटर साइकिल-स्कूटर होना भी नियामत होती थी। पगडंडियों पर चलकर लोग रिश्तेदारी निभाने साल भर यहां से वहां आते-जाते रहते थे। सुविधाओं का संसार सीमित था, लेकिन इन्हीं सीमाओं के बीच रिश्तों और उत्सवों की अपनी जीवंत दुनिया थी। इन्हीं व्रत-पर्वों में से एक भाद्रपद की तृतीया तिथि को तीज मनाई जाती थी। व्रती स्त्री के साथ घर की अन्य स्त्रियां भजन-कीर्तन करतीं और सामूहिकता के इस भाव से मानो भूख के प्रभाव को कम कर देती थीं। हरतालिका पूजा की तैयारियां महीनों पहले से शुरू हो जाती थीं। तरोई के हरे पत्तों के रंग से दीवार रंगना, चावल के ऐपन से अल्पना बनाना हो या अन्य सामग्री जुटाना, स्त्रियां खुशी से झूम-झूम चलतीं। कथा कही जाती। गीत गाए जाते। बड़ी स्त्रियां रीति और स्मृति, नई नवेलियों को गीतों के माध्यम से सौंप देती थीं।

पूजा, प्रतीक और स्त्री की श्रद्धाः हरतालिका तीज के दिन व्रत, पूजा, कथा और जागरण के बीच स्त्री का दिन एक अलग अनुशासन में चलता रहता था। तीज पर शिव-पार्वती की पूजा होती। मिट्टी या बालू से उनकी प्रतिमाएं बनतीं। खेतों से दो हाथ गहरा गड्ढा कर आराध्य के रूप गढ़ने के लिए माटी आती। पार्वती का तप और उनका संकल्प व्रती स्त्री के लिए केवल कथा नहीं होता, बल्कि उसके अपने जीवन-संघर्ष और आकांक्षाओं का प्रतीक भी बनता। तप में धैर्य, प्रतीक्षा में विश्वास और संकल्प में मन की इच्छा को थामे रखने की शक्ति को समझा जाता। दिन भर का व्रत जब शरीर को साधता, तो मन को भी एक नई दिशा मिलती।

मायके की स्मृति और उत्सवः यही नहीं, उत्सव आते ही स्त्री के मन के कहीं बहुत भीतर मायके के आंगन की याद ताजा हो जाती। मिट्टी के दीपक और घड़े लिए कुम्हारिन काकी का घर आना। नाउन आजी का आलता की कटोरी लिए मां, चाची और बुआ का इंतजार करना। मायके से आई लहटी, बिंदी, साड़ी और कपड़ों को मां के द्वारा सहेजकर रखना। छोटी-छोटी चीजों में तीज का उत्सव उतरता। विवाह के बाद स्त्री का जीवन बदल जाता। घर, संबंधों का संसार और जिम्मेदारियां बदल जातीं। लेकिन मायका उसके भीतर वैसा ही बसा रहता। मां की आवाज, पिता का आंगन, भाई की हंसी, बहनों की चुहल और सहेलियों के साथ बिताए वे दिन। उत्सव के दिनों में इन स्मृतियों का लौट आना रिश्तों की गरिमा और उनकी भावनात्मक निरंतरता का पर्याय बन जाता।

गीतों में बसता स्त्री संसारः तीज का व्रत हो और गीत न गाए जाएं, ऐसा हो नहीं सकता। मौन स्त्रियों के पास कहने के लिए बहुत कुछ होता था, जिसे वे सीधे न बोलकर गीतों के माध्यम से कहतीं, सुनातीं और बिसूरती रहती थीं। उनके गीतों में झूले थे, प्रेम था, मायके की याद थी। भाई की प्रतीक्षा थी। इस तरह लोकगीत उनके लिए केवल उत्सव का हिस्सा नहीं, बल्कि मन की अभिव्यक्ति और अनुभवों को साझा करने का माध्यम भी थे। लोकगीतों ने स्त्रियों के अनुभवों को केवल बचाया नहीं, उन्हें पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुंचाया भी है। यही कारण है कि लोकगीत स्त्री की स्मृतियों, अनुभवों और सामाजिक जीवन के मौखिक दस्तावेज बन जाते हैं।

लोक-मंगल की भावना और उत्सवः तीज की प्रार्थना केवल अपने तक सीमित नहीं थी। स्त्री पति के मंगल के साथ बच्चों के सुख, परिवार की सुरक्षा, घर की समृद्धि और संबंधों की मिठास की कामना करती थी। उसकी प्रार्थना में निजी आकांक्षा के साथ पूरे परिवार और समाज के कल्याण की भावना भी जुड़ी थी। यही लोक-मंगल का भाव था। पूजा में बैठकर वह अपने पूरे संसार का मंगल मांगती थी। इस अर्थ में उसकी प्रार्थना केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सीमित परिस्थितियों के बीच अपने जीवन और संसार के प्रति उसकी सक्रिय आकांक्षा की अभिव्यक्ति भी थी। इसलिए तीज को केवल पति की दीर्घायु का व्रत मानना उसके भाव-संसार को छोटा करना होगा। उसमें दांपत्य के साथ मातृत्व, बेटी होने की स्मृति, परिवार की चिंता भी निहित है।

डिजिटल होते समय की परिधि में तीजः आज हरतालिका तीज आती है तो बाजार ही नहीं, शहर और गांव भी रोशन हो उठते हैं। पूजा-पद्धति बदल गई है। रिश्तों को निभाने के तरीके बदल गए हैं। इस बदलते उत्सवी संसार को बाजार ने भी समझ लिया है और उसने स्त्री की हर मनोकामना को अपनी वस्तुओं और सेवाओं से जोड़ने की कसम मानो उठा ली है। छोटा-बड़ा त्योहार आने की देरी होती है, रीलों और यू-ट्यूब चैनल पर वीडियो पोस्ट करने के लिए घर में लोकेशन पहले चुनी जाती है। मायका मोबाइल में हर वक्त मौजूद रहने लगा है। मां की आवाज सुनने को बेटियां तरसती नहीं। भाई का नेह-छोह संदेश बनकर पहुंच जाता है। तकनीक ने उत्सव के रूप और उसकी अभिव्यक्ति को बदला है, लेकिन रिश्तों की आत्मीयता को नए माध्यम भी लगातार जीवित रख रहे हैं। बदलते परिवेश के साथ स्त्री की दृष्टि और आकांक्षाएं भी बदली हैं। फिर भी स्त्री अपनी लोकधुन में समय, समाज और सृजन की बदलती तकनीकों को आत्मसात करते हुए परंपरा और परिवर्तन के बीच एक जीवंत सेतु बनाती चलती है। इसीलिए तीज उसके लिए केवल एक परंपरा का निर्वाह नहीं, बल्कि बदलते समय में अपनी स्मृतियों, संबंधों और आकांक्षाओं को नए अर्थ देने की निरंतर प्रक्रिया भी है।

हरतालिका तीज पर पति-पत्नी लें रिश्ते को मजबूत करने का संकल्प

आज के व्यस्त जीवन में जब पति-पत्नी दोनों ही वर्किंग होते हैं, एक-दूसरे को समय नहीं दे पाते। दांपत्य जीवन में प्रगाढ़ता बनी रहे, इसके लिए पति-पत्नी छोटे-छोटे वादे एक-दूजे से करते रहें। इस हरतालिका तीज पर इन्हें अमल में लाने का संकल्प भी लें।

सलाह

निशा जोनवाल

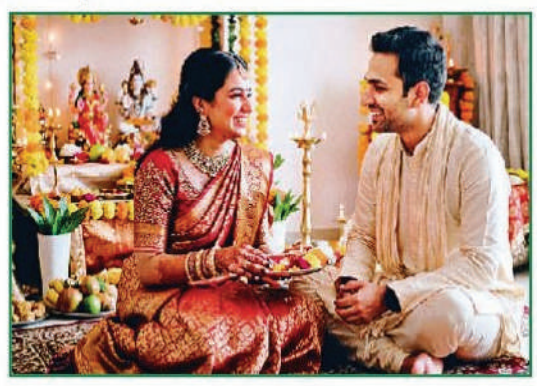

हरतालिका तीज का पर्व विवाहित महिलाओं के लिए आस्था, प्रेम और सुखी दांपत्य जीवन की कामना लिए आता है। आज के समय में अधिकांश पति-पत्नी दोनों ही वर्किंग होने के कारण अपनी जिम्मेदारियों में व्यस्त रहते हैं, एक-दूसरे के साथ समय नहीं बिता पाते। नवविवाहित पति-पत्नी शुरू में एक-दूसरे के साथ खूब समय बिताते हैं। साथ रहने के लिए बहाने ढूंढते हैं, घूमने-फिरने जाते हैं, लेकिन कुछ समय बाद यह दांपत्य जीवन नौकरी, बच्चे और घर की अन्य जिम्मेदारियों तक सिमट जाता है। अगर बात होती भी है तो सिर्फ पारिवारिक जिम्मेदारियों को लेकर। ऐसे में हरतालिका तीज के दिन पति-पत्नी दोनों कुछ पल प्यार भरे जरूर गुजारें, साथ ही कुछ ऐसे संकल्प लें, जो उनके दांपत्य जीवन को प्रगाढ़ और मधुर बनाए। ये संकल्प क्या हो सकते हैं, जानिए-

जिम्मेदारियों को साथ-साथ निभाएंगेः आज के समय में पति-पत्नी दोनों ही जॉब करते हैं। बावजूद इसके बहुत से मामलों में घर की जिम्मेदारी का बड़ा हिस्सा महिलाओं के हिस्से आता है। नौकरी के साथ सुबह बच्चों को स्कूल भेजने से लेकर शाम को बाजार से सामान लाने तक महिलाओं की भूमिका अधिक देखी जाती है। नौकरी और घर की इन जिम्मेदारियों से महिलाओं में थकान और तनाव बढ़ता है, जिसका असर दांपत्य जीवन पर भी देखा जा सकता है। इसलिए इस तीज पर पति-पत्नी एक-दूसरे से वादा करें कि वे घर की सभी जिम्मेदारियों में बराबर का सहयोग देंगे। इस भागीदारी से रिश्ते में समानता के भाव पैदा होते है। दांपत्य जीवन सुखी रहता है।

नाराजगी नहीं, आपस में संवाद बनाएंगेः मतभेद और नोक-झोंक हर रिश्ते में होती है। किसी फैसले या बात पर पति-पत्नी हर बार सहमत ही हों, जरूरी नहीं। ऐसे में कई बार थोड़े समय के लिए बातचीत बंद हो जाती है। समय के साथ यह नाराजगी खत्म हो जाती है। लेकिन समस्या तब आती है, जब नाराजगी जाहिर करने के बजाय मन में रखी जाती है, इससे धीरे-धीरे दूरियां बनती हैं। ऐसे में नाराजगी नहीं, संवादों को जगह देनी चाहिए। कोशिश हो, किसी भी बात पर अपनी प्रतिक्रिया शांत मन से दें। तो इस तीज पर आप संकल्प करें कि अपने दांपत्य जीवन में संवाद बनाकर रखेंगे।

एक-दूसरे को देंगे समयः एक ही घर में साथ रहना और एक-दूसरे को समय देना, ये दोनों ही बातें बिल्कुल अलग हैं। सोशल मीडिया और फोन का बढ़ता इस्तेमाल पति-पत्नी के बीच एक खामोशी बना देता है। एक घर में साथ रहते हुए भी दोनों अपने-अपने मोबाइल फोन में लगे रहते हैं, एक-दूसरे से बात नहीं करते। ऐसे में आप संकल्प लें कि जब आपको समय मिले एक-दूसरे से बात जरूर करेंगे। कोशिश रहे कि इस बातचीत के दौरान कोई ऐसी बात नहीं करेंगे, जो किसी विवाद को जन्म दे, तनाव दे। जब यह समय आपके अपने लिए है, तो उसमें आप सिर्फ अपनी ही प्यार भरी बातें करें।

एक-दूसरे की पसंद को अहमियत देंगेः देखा जाता है, शादी के बाद महिलाएं अपनी पसंद नहीं पति की पसंद को महत्व देती हैं। ये स्थिति उन्हें खुद को खो देना जैसा महसूस करवाती है। अगर पत्नी का कोई खास शौक है या किसी काम को करने से उसे खुशी मिलती है, तो पति को उसका साथ देना चाहिए। इसी तरह पत्नी को भी पति की खुशी के लिए उसका साथ देना चाहिए।

प्यार जताने के लिए किसी खास दिन का इंतजार नहींः दांपत्य रिश्ते में प्यार जताने के लिए किसी खास पल या मौके का मोहताज नहीं होना चाहिए। पति-पत्नी हर पल छोटे-छोटे प्रयासों से प्यार के एहसास को बनाए रख सकते हैं। सुबह की चाय को टेबल पर रख देना या लंच टाइम का एक छोटा-सा मैसेज भी आपके दांपत्य रिश्ते में प्यार की गर्माहट को बनाए रख सकता है। तीज के दिन दंपती इस बात का संकल्प जरूर लें कि वे अपने प्यार का एहसास हमेशा बनाए रखेंगे।

भावनाएं

तीज के दिन मेरे पति मुझे मेरी पसंद का उपहार जरूर देते हैं : मोनालिसा

हर शादीशुदा स्त्री हरतालिका तीज का पर्व बहुत उत्साह-उमंग से मनाती है। पति के मंगलमय जीवन की कामना करती है। मेरी शादी विक्रांत राजपूत सिंह से 2017 में हुई थी। शादी के बाद मैं भी यह पर्व हर साल बहुत उत्साह के साथ मनाती हूं। अपने पति की लंबी आयु और स्वस्थ जीवन के लिए उपवास रखती हूं। पूरे विधि-विधान के साथ शिव-पार्वतीजी की पूजा करती हूं। घर के बड़ों का आशीर्वाद लेती हूं। हरतालिका तीज का पर्व विशेष रूप से सुहागन स्त्रियों के लिए होता है, इसलिए मैं भी अन्य सुहागनों की तरह इस दिन सोलह श्रृंगार करती हूं, अच्छे से सजती-संवरती हूं। मेहंदी लगवाती हूं, सिंदूर, बिंदी, लिपस्टिक, काजल वगैरह लगाती हूं। खूबसूरत साड़ी और उससे मैच करती हुई ज्वेलरी, मांग टीका, चूड़ियां पहनती हूं। मतलब सारे साज-श्रृंगार करती हूं। पति-पत्नी का प्रेम बढ़ाने वाले इस पावन पर्व को मैं पूरी श्रद्धा के साथ मनाती हूं। इस दिन मेरे पति मुझे मेरी पसंद का उपहार जरूर देते हैं। 'सहेली' की सभी सहेलियों को हरतालिका तीज की मंगलकामनाएं, उनका दांपत्य जीवन हमेशा खुशियों से भरा रहे।

दांपत्य जीवन को प्रगाढ़ बनाए हरतालिका तीज

हरतालिका तीज पर्व, मंगलमय दांपत्य जीवन की कामना से मनाया जाता है। इस दिन पत्नियां पति की दीर्घायु के लिए व्रत रखती हैं। फिल्म-टीवी की कुछ एक्ट्रेसेस सहेली को बता रही हैं, वे हरतालिका तीज कैसे मनाती हैं?

तीज-त्योहार पर बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद बहुत मायने रखता है : दीपिका सिंह

मेरा विवाह रोहित राज गोयल से वर्ष 2014 में हुआ था। तब से लेकर आज तक मैं पूरी श्रद्धा से हरतालिका तीज मनाती हूं। तीज जैसे पर्व हमारे वैवाहिक जीवन में बहुत महत्व रखते हैं। पति-पत्नी के बीच प्रेम-भाव बढ़ाते हैं। दांपत्य जीवन में प्रगाढ़ता लाते हैं। मैं हर साल अपने पति की लंबी आयु और खुशहाल जीवन के लिए हरतालिका तीज का व्रत रखती हूं। शिव-पार्वती जी की पूजा करती हूं, परिवार में जो भी बड़े-बूढ़े हैं, उनका आशीर्वाद लेती हूं। तीज-त्योहार पर बड़े-बुजुर्गों का साथ और आशीर्वाद बहुत मायने रखता है। हरतालिका तीज के दिन मैं पूरी तरह से इंडियन ट्रेडिशनल लुक में तैयार होती हूं। मुझे तो शुरू से ही सजना-संवरना बहुत पसंद है। इनफैक्ट मैं तो सेट पर भी हरतालिका तीज के दिन सज-संवर कर आ जाती हूं। पिछली बार हरतालिका तीज के दिन मैं हरे रंग का भारी लहंगा और पारंपरिक आभूषण पहनकर अपने शो के सेट पर गई थी। हमने सेट पर भी बाकी एक्ट्रेस के साथ हरतालिका तीज का त्योहार मनाया था। इस दिन मैं अपने पति से खर्च भी अच्छा-खासा करवाती हूं। उनसे अपना मनपसंद गिफ्ट जरूर लेती हूं। वैसे रोहित मुझे बहुत प्यार करते हैं। चूंकि मैं हरतालिका तीज पर व्रत रखती हूं, इसलिए वह इस दिन मेरा विशेष ध्यान रखते हैं। पूजा की तैयारी में मेरा मदद भी करते हैं। सभी सुहागिनों को हरतालिका तीज की मेरी शुभकामनाएं, उनका दांपत्य जीवन हमेशा मधुर बीते। परिवार में खुशहाली छाई रहे।

अपने पति के लिए कोई भी त्याग कर सकती हूं : भाग्यश्री

मेरे पति हिमालय और मेरा परिवार ही मेरा जीवन है। मैं हिमालय से बहुत प्यार करती हूं। उनकी खातिर मैं कोई भी त्याग कर सकती हूं। मैंने अपनी पहली फिल्म 'मैंने प्यार किया' सुपरहिट होने के बाद भी फिल्म इंडस्ट्री से किनारा कर लिया था और हिमालय से शादी कर ली थी। मेरे लिए पति हिमालय से ज्यादा कोई भी महत्वपूर्ण नहीं है। यही वजह है, मैं हरतालिका तीज का पर्व पूरी आस्था-श्रद्धा के साथ मनाती हूं। तीज पर मैं निर्जल व्रत रखती हूं, पूरे विधि-विधान से शिव-पार्वती की पूजा करती हूं। घर के बड़ों का आशीर्वाद लेती हूं। हरतालिका तीज के दिन मैं खासतौर पर हरे रंग की साड़ी, मैचिंग चूड़ियां और ज्वेलरी पहनती हूं। क्योंकि इस पर्व में मेहंदी लगाना शगुन माना जाता है, इसलिए मैं मेहंदी भी जरूर लगाती हूं। हर साल की तरह इस साल भी मैं हरतालिका तीज का पर्व पूरी आस्था के साथ मनाऊंगी। अपने पति और परिवार के लिए मंगलकामना करूंगी।

प्रस्तुतिः आरती सक्सेना

मेकअप

निधि गोयल

मेकअप करें ऐसे-दमके आपका रूप

हरतालिका तीज पर आप खूबसूरत ट्रेडिशनल ड्रेस पहनती हैं, ज्वेलरी पहनती हैं और पूरा श्रृंगार करती हैं। फिर भी अगर आपको अपना लुक अपीलिंग नहीं लग रहा तो आपको अपने मेकअप पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि आप फेस्टिव मेकअप के सभी स्टेप्स को पूरी तरह फॉलो करें, क्योंकि तभी आपका मेकअप परफेक्ट लुक देगा। आइए जानते हैं हरतालिका तीज के लिए मेकअप करने का स्टेप-बाय-स्टेप तरीका।

स्किन को करें हाइड्रेटः मेकअप करने से पहले जरूरी है कि चेहरे को अच्छे फेस वॉश से अच्छी तरह से साफ कर लें। इसके बाद स्किन टाइप को देखते हुए मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करें। इससे आपकी स्किन हाइड्रेट रहेगी और मेकअप के बाद पैची नजर नहीं आएगी। इसके बाद प्राइमर लगाएं, जिससे मेकअप लंबे समय तक टिकेगा।

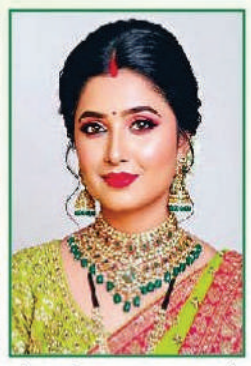

नेचुरल बेस बनाएंः इसके लिए आप फाउंडेशन की बहुत ज्यादा लेयर नहीं लगाकर हल्का सा नेचुरल लुक देते हुए लगाएं। फाउंडेशन का इस्तेमाल आपको स्किन टोन को ध्यान में रखते हुए करें। इसके बाद डार्क सर्कल्स, दाग-धब्बों या पिंपल मार्क्स को छिपाने के लिए कंसीलर लगाएं। साथ ही हल्के हाथों से कॉम्पैक्ट या सेटिंग पावडर लगाकर बेस को सेट करें। आपको यह भी ध्यान रखना है कि फाउंडेशन का कलर आपकी गर्दन और चेहरे से अलग नजर नहीं आए। हमेशा इस बात को याद रखें कि सही शेड का चुनाव आपके मेकअप को ज्यादा नेचुरल बनाएगा।

आई मेकअपः आपको जो भी ट्रेडिशनल ड्रेस पहननी है, उसके अनुसार आईशैडो को चुनें। सबसे पहले आंखों पर न्यूड या लाइट ब्राउन बेस लगाएं। इसके बाद शिमरी या मैट आई-शैडो लगाकर आंखों को फेस्टिव टच दें।

ब्लशः मेकअप में ब्लशर यूज करने से चेहरा ताजगी भरा दिखता है। पीच, रोज पिंक या सॉफ्ट बेरी शेड के ब्लश, तीज के लुक के लिए अच्छे ऑप्शन हो सकते हैं। ब्लश को जब आप लगाएं तो ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा न लगाएं। ब्लश को सही तरह से लगाकर गालों को नेचुरल लुक दें।

हाईलाइटरः ब्लश लगाने के बाद आप मेकअप को हाईलाइटर से ग्लोइंग बना सकती हैं। गालों के ऊपरी हिस्से, नाक की ब्रिज, आईब्रो बोन और क्यूपिड्स बो पर हल्का हाईलाइटर लगाएं। लेकिन बहुत ज्यादा हाईलाइटर करने से बचें क्योंकि फिर मेकअप नेचुरल नजर नहीं आएगा।

लिपस्टिक का सही शेड चुनेंः फेस्टिवल पर लिपस्टिक थोड़ी ब्राइट शेड वाली सुंदर लगती है। ऐसे में आप मैरून, रेड, डार्क पिंक आदि कलर की लिपस्टिक को होंठों पर लगा सकती हैं। अगर आपको मेकअप हैवी रखना है तो ऐसे में लिपस्टिक के लाइट शेड्स पिंक, पीच और सॉफ्ट पिंक कलर चुनें, जो आपके चेहरे को अट्रैक्टिव लुक देंगे।

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

दांपत्य

डॉ. मोनिका शर्मा

इस नए दौर में जब वैवाहिक रिश्ते दरक रहे हैं, ऐसे में हरतालिका तीज जैसे पर्वों की उपादेयता बढ़ जाती है। हमें इस पर्व की मूल भावना समझनी चाहिए। पति-पत्नी के बीच ऐसा प्रेम-समर्पण का भाव होना चाहिए, जो एक-दूजे का मन हरा-भरा रखे।

वैवाहिक जीवन में बना रहे मन का हरापन

उत्सवी उल्लास रिश्तों को नया जीवन देता है। हरतालिका तीज जैसे पर्व, जीवन में साझेपन का स्मरण करवाते हैं। रीति-रिवाज की इस रौनक के बीच वैवाहिक जीवन की दिशा और दशा की सच्चाई का निरीक्षण भी आवश्यक है। आस्था के भाव से अपने साथी की कुशल कामना चाहने के साथ ही व्यावहारिक धरातल पर भी अपने रिश्ते को समझने के प्रयास जरूरी हैं। चिंतनीय है कि हमारे समाज में सात जन्मों का बंधन मानी जाने वाली शादियों में बिखराव के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। वर्चुअल दुनिया से लेकर असली संसार तक साथ, स्नेह से जुड़े रिवाजों की रौनक तो खूब दिखती है, लेकिन पति-पत्नी के गठजोड़ से कुछ रीत रहा है। कुछ बातों पर ध्यान देते हुए एक-दूजे के मन का हरापन बनाए रखें।

प्राइवेसी के नाम पर न बढ़ाएं दूरियांः डिजिटल लाइफस्टाइल ने इस प्यारी-सी पार्टनरशिप में प्राइवेसी के नाम पर सेंध लगा दी है। जिस रिश्ते में हर जज्बात और हर जिम्मेदारी का साझापन हो, उसमें कोई दुराव-छिपाव नहीं होना चाहिए। तकलीफदेह है कि पर्सनल स्पेस के नाम पर पति-पत्नी के बीच यही हो रहा है। दोनों ही अपनी-अपनी दुनिया में व्यस्त दिखते हैं। कौन, किससे बात कर रहा है? किस मित्र ने क्या संदेश भेजा है? किस रिश्तेदार का फोन आया है? किस सगे-संबंधी, मित्र या पड़ोसी को शुभकामनाएं देनी है? जैसी बातें अपने-अपने जीवन का हिस्सा बनकर रह गई हैं। साफ देखा जा सकता है कि स्मार्टफोन ने निजता के नाम पर आपसी समझ और साझेदारी को कम किया है। दुःखद है कि यह बर्ताव इस बंधन में भरोसे को कमजोर करता है। स्क्रीन के जरिए बने दुनियावी जुड़ाव में दोनों की अपनी-अपनी दुनिया बन जाती है। न कुछ कहना जरूरी लगता है, न ही सुनना। शेयरिंग न करने की यह आदत एक-दूसरे की केयरिंग से भी दूर कर देती है। इन दूरियों का अगला पड़ाव कमिटमेंट की कमी के रूप में सामने आता है। अध्ययन बताते हैं कि मैरिड लाइफ में लगभग 75 प्रतिशत मामलों में आपसी कमिटमेंट की कमी अलगाव की बड़ी वजह बनती है। इसीलिए उत्सवीय रौनक के बीच कुशलकामना का आशीष मांगते हुए जीवन में साझेपन को बनाए रखने के भी प्रयास कीजिए।

न हो उपेक्षा का भावः हमारे देश में शादियों के टूटने के आंकड़े कम हैं। सामाजिक-पारिवारिक कारणों से अलग होने का रास्ता चुनना आसान नहीं होता। यही वजह है कि भारतीय समाज में अलगाव के मामले ज्यादा हैं। जिनमें साथ रहते हुए भी साथ न रहने के हालात बन जाते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह एक-दूसरे के प्रति उपेक्षा का बर्ताव रखना है। अधिकतर युवा जोड़े बहुत सहजता से अपने साथी की कॉल या मैसेज को इग्नोर कर देते हैं। कभी काम-काजी व्यस्तता तो कभी उदासीन व्यवहार। धीरे-धीरे यह उपेक्षा, व्यवहार का हिस्सा बन जाती है। सुखी-संपन्न से दिखते जीवन में खालीपन आ जाता है। जीवनसाथी हो या जीवनसंगिनी, रूखा व्यवहार और भावनाएं जीवन का हरापन सोख लेते हैं। इसीलिए हरतालिका तीज जैसे उत्सवों में समाहित जुड़ाव के सच्चे-अच्छे भाव को जीवन का हिस्सा बनाएं। अनदेखी नहीं बल्कि एक-दूजे की अहमियत समझने की सोच रखते हुए साथ चलें।

हर दिन हों कुछ साझे पलः सभी व्रत उत्सव अपनों के साथ समय बिताने का सुंदर अवसर होते हैं। इसीलिए जिम्मेदारियों को पोसने के साथ ही अपने रिश्ते को सींचने के लिए भी समय दें। माता पार्वती और भगवान शिव के पूजन पर्व पर अपने जीवन में भी व्यावहारिक धरातल पर संग-साथ को पोसने की सोचें। सुबह-शाम की चाय साथ पिएं। कुछ समय दोनों अकेले वॉक पर जाएं। अपने वैवाहिक रिश्ते के रंग बचाने के लिए हर दिन कुछ साझे पल जरूर जिएं।